Website: www.winews.in । Email: winews.in@gmail.com । दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 230 | रविवार, 30 अगस्त-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया से वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज तक पहुंचा यूपी: योगी

'खजाने की लूट' के लिए जनता से माफी मांगें अखिलेश यादव, देवरिया में जमकर गरजे सीएम योगी आदित्यनाथ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को समाजवादी पार्टी और उसके अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला करते हुए कहा कि जब उनकी पार्टी सत्ता में थी, तब राज्य के खजाने की कथित लूट के लिए उन्हें जनता से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य अब खराब शासन और असुरक्षा वाली अपनी पुरानी छवि से बाहर निकल चुका है। देवरिया में एक कार्यक्रम के दौरान, जहाँ उन्होंने 305 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत वाली 80 विकास परियोजनाओं की

आधारशिला रखी, आदित्यनाथ ने कहा कि जनता द्वारा चुनी गई सरकारों की वजह से उत्तर प्रदेश में विकास, समृद्धि और रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। उन्होंने कानून-व्यवस्था, कल्याणकारी योजनाओं और पूर्वी उत्तर प्रदेश में एन्सेफलाइटिस (दिमागी बुखार) से निपटने के उपायों पर भी बात की। विपक्षी पार्टी पर निशाना साधते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि रद्द का मतलब है लूट और वसूली, रद्द का मतलब है डकैतों का गिरोह। लखनऊ में जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर के निर्माण में कथित भ्रष्टाचार का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि रद्द प्रमुख ने अपनी अय्याशी के लिए राज्य के खजाने की जो लूट की है, उसके लिए उन्हें जनता से माफी मांगनी चाहिए।

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

देवरिया। पूर्वांचल में बाढ़ के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को बलिया पहुंचे। मुख्यमंत्री ने बाढ़ और कटान प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण कर हालात का जायजा लिया और इसके बाद सहतवार थाना क्षेत्र के पकहां गांव के गलाफरपुर में पहुंचकर बाढ़ पीड़ितों के बीच राहत सामग्री वितरित की। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर प्रशासन ने पहले से तैयारियां पूरी कर रखी थीं। मुख्यमंत्री के बलिया पहुंचने के साथ ही बाढ़ प्रभावित लोगों में भी प्रशासनिक मदद को लेकर उम्मीद जगी। योगी ने प्रभावित लोगों से मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और भरोसा दिलाया कि बाढ़ पीड़ितों को किसी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान करीब 50 बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री वितरण के लिए चिन्हित किया गया था।

बाढ़ के बीच सीएम का संदेश, हर पीड़ित तक पहुंचेगी मदद

मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण कर नदी के बढ़े जलस्तर और प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति देखी। इसके बाद राहत शिविर में पहुंचकर पीड़ितों से सीधे संवाद किया। रिपोर्ट के मुताबिक सरकार की ओर से प्रत्येक बाढ़ प्रभावित परिवार तक राहत पहुंचाने पर जोर दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी बाढ़ पीड़ित को परेशानी नहीं होने दी जाएगी। बलिया में गंगा और सरयू नदी के प्रभाव से कई इलाके बाढ़ की चपेट में हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री का सीधे प्रभावित क्षेत्र में पहुंचना प्रशासनिक मशीनरी के लिए भी स्पष्ट संदेश माना जा रहा है कि राहत और बचाव कार्य में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

राहत सामग्री बांटने के साथ विकास का एजेंडा भी

चर्चा में

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बलिया दौरे का फोकस सिर्फ बाढ़ राहत तक सीमित नहीं रहा। उनके संबोधन में उत्तर प्रदेश में पिछले वर्षों में आए बदलाव और विकास के मॉडल की चर्चा भी प्रमुख रही। इसी क्रम में उन्होंने उस राजनीतिक बदलाव को रेखांकित किया, जिसमें कभी उत्तर प्रदेश की पहचान अपराध और माफिया के प्रभाव से जोड़कर देखी जाती थी, वहीं अब सरकार विकास और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को अपनी उपलब्धि के तौर पर सामने रख रही है। यही वजह है कि 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया' से 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज' की बात बलिया से दिए गए मुख्यमंत्री के संदेश का अहम हिस्सा बनी। यह सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि सरकार के विकास और कानून-व्यवस्था के दावे को एक साथ सामने रखने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

बलिया में बाढ़, सरकार की अग्निपरीक्षा

बलिया में इस समय बाढ़ प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। ऐसे में मुख्यमंत्री का खुद प्रभावित क्षेत्र में पहुंचना राजनीतिक और प्रशासनिक दोनों लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हवाई सर्वेक्षण के बाद राहत शिविर पहुंचकर पीड़ितों के बीच सामग्री बांटने से सरकार ने यह संदेश देने की कोशिश की कि बाढ़ जैसी आपदा में प्रशासनिक अमला जमीन पर मौजूद है। मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान राहत सामग्री वितरण के साथ प्रभावित लोगों की समस्याएं सुनने पर भी जोर रहा। इससे स्थानीय स्तर पर राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी को लेकर प्रशासन पर दबाव बढ़ना तय माना जा रहा है।

माफिया पर कार्रवाई से मेडिकल कॉलेज तक का दावा

योगी सरकार लगातार कानून-व्यवस्था को अपनी प्रमुख उपलब्धियों में गिनाती रही है। मुख्यमंत्री के संदेश में इसी बदलाव को स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार से जोड़कर पेश किया गया। उनका जोर इस बात पर रहा कि उत्तर प्रदेश की पहचान अब अपराध और माफिया के बजाय विकास, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं और बुनियादी ढांचे से होनी चाहिए। 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज' का उल्लेख खास तौर पर पूर्वांचल जैसे क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण है, जहां लंबे समय तक गंभीर इलाज के लिए लोगों को बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था। सरकार की ओर से मेडिकल सुविधाओं के विस्तार को इसी समस्या के समाधान के तौर पर प्रस्तुत किया जा रहा है।

बलिया से पूर्वांचल तक सियासी संदेश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बलिया दौरा ऐसे समय हुआ है जब प्रदेश में राजनीतिक माहौल भी लगातार गरमा रहा है। 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले सरकार अपनी उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने में जुटी है। ऐसे में बाढ़ प्रभावितों के बीच पहुंचकर राहत सामग्री बांटना जहां सरकार की संवेदनशीलता का संदेश देता है, वहीं 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज' जैसी बात विकास के एजेंडे को सामने रखती है।

बिना चरित्र निर्माण के केवल डिग्री देने वाली शिक्षा अधूरी है, लखनऊ में बोले राजनाथ सिंह

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। रक्षा मंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह ने शनिवार को दार्शनिक अंदाज में कहा कि यदि मन बड़ा नहीं है और दूसरों को देखकर ईर्ष्या होती है, तो यह मान लेना चाहिए कि आप पर ईश्वर की कृपा नहीं है। सिंह ने कहा,'' जब उपलब्धियां मूल्यों पर आधारित होती हैं तभी जीवन सार्थक होता है। जब शिक्षा केवल डिग्री दे लेकिन उससे चरित्र का विकास न हो तो ऐसी शिक्षा का कोई मूल्य नहीं है, वह अधूरी है।'' उन्होंने यहां बाबा साहब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के 11वें दीक्षांत समारोह में कहा,''पवित्र मन उसी का होता है, जिसका मन बड़ा होता है।

छोटे मन का व्यक्ति कभी पवित्र मन का नहीं हो सकता।'' पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, ''छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता और टूटे मन से कोई खड़ा नहीं होता।'' सिंह ने एक विदेशी अखबार द्वारा पूर्व में भारत को लेकर व्यंग्य में कार्टून बनाने का जिक्र करते हुए कहा कि आज दुनिया भारत की सफलता देखकर

हैरान है। विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए रक्षामंत्री ने कहा , ''जिंदगी का सफर लंबा है और इसे साधना की तरह लेना चाहिए। मन जितना बड़ा होगा, सुख और आनंद की प्राप्ति उतनी ही अधिक होगी।'' उन्होंने कहा, ''परमानंद की कोई सीमा नहीं होती।

यह साधना है। जिस पर ईश्वर की कृपा होती है, उसी का मन बड़ा होता है।'' बाबा साहब का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा, ''डॉ. आंबेडकर को उस नल से पानी नहीं पीने दिया जाता था, जिससे सभी बच्चे पानी पीते थे। इतना अन्याय सहने के बाद भी उन्होंने भाग्य को कोसने या हिंसा का रास्ता चुनने के बजाय शिक्षा का मार्ग चुना और भारत आकर लोगों में बदलाव की इच्छा जगाई।'' रक्षा मंत्री ने कहा कि कोई न कोई सुपर पावर है जो पूरे ब्रह्मांड को निर्देशित कर रहा है तथा संतों की कही बातों को आज पूरा विश्व स्वीकार कर रहा है।

अहंकार से बचने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि अहंकार आने पर व्यक्ति की कीमत कम हो जाती है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय व्यक्तित्व निर्माण के केंद्र होते हैं और जब संस्थान का नाम डॉ. बाबा साहब के नाम पर हो तो अपेक्षाएं और बढ़ जाती हैं। उन्होंने सफलता में माता-पिता और शिक्षकों के योगदान को याद रखना चाहिए।

सिंह ने कहा,''हुनर और ज्ञान के साथ संस्कार और संवेदनशीलता जरूरी है। संस्कार के बिना ज्ञान अधूरा है और संवेदनशीलता के बिना व्यक्तित्व अधूरा है।'' बाबा साहब के हवाले से उन्होंने कहा कि स्वभाव में विनम्रता और चरित्र में नैतिकता न हो तो शिक्षित व्यक्ति हिंसक जानवर से भी अधिक खतरनाक होता है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे केवल अपने लिए नहीं, भारत के लिए बड़े सपने देखें और रोजगार देने वाले बनें।

खरगे के 'शुद्धीकरण' पर राहुल गांधी का प्रहार, पीएम मोदी से की मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

हल्द्वानी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उत्तराखंड के हल्द्वानी में मल्लिकार्जुन खरगे के सभा स्थल के ''शुद्धीकरण'' मामले को लेकर शनिवार को भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ पर निशाना साधा तथा कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को निर्देश देना चाहिए कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की जाए। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस यह सुनिश्चित करेगी कि इस अपराध को अंजाम देने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हो।

राहुल गांधी ने कहा, ''देश में दो विचारधाराओं के बीच लड़ाई चल रही है, एक संविधान की विचारधारा और दूसरी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की विचारधारा।'' उन्होंने आरोप लगाया कि संविधान लागू होने के बावजूद देश में दलितों के खिलाफ भेदभाव और हिंसा जारी है, जो कानूनन अपराध है। गांधी ने दावा किया कि देश के कई स्कूलों में दलित बच्चों से शौचालय साफ कराया जाता है और उनसे झाड़ू लगवाई जाती है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि दलितों को कुओं से पानी लेने से रोका जाता है तथा चाय की दुकानों पर उनके साथ भेदभाव किया जाता है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि बारात में घोड़े पर चढ़ने जैसे मामलों को लेकर भी दलितों को कथित तौर पर मारा-पीटा और धमकाया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे कृत्यों में भाजपा और आरएसएस से जुड़े लोग शामिल हैं तथा ये संविधान और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) कानून के खिलाफ हैं। गांधी ने मांग की कि ''शुद्धीकरण'' में शामिल लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाए।

कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश की अनदेखी पड़ी भारी

ममता बनर्जी के खिलाफ कोलकाता में एफआईआर दर्ज

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

कोलकाता। कोलकाता पुलिस ने शुक्रवार, 28 अगस्त को तृणमूल छात्र परिषद के स्थापना दिवस कार्यक्रम में कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करने के आरोप में पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने बताया कि हेस्टिंग्स पुलिस स्टेशन में बनर्जी और तृणमूल छात्र परिषद की बैठक के आयोजकों के खिलाफ FIR दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कोर्ट के आदेश के कथित उल्लंघन के लिए FIR दर्ज की गई है। जांच के दौरान उल्लंघन में शामिल सभी लोगों की भूमिका की जांच की जाएगी।

अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को पुलिस ने तृणमूल कांग्रेस नेताओं अभिषेक बनर्जी, डेरेक ओ'ब्रायन और अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। इन पर आरोप है कि कोलकाता के कामाक स्ट्रीट पर पार्टी के 'अनधिकृत' (बिना इजाजत लगाए गए) बिलबोर्ड के खिलाफ कार्रवाई के दौरान इन्होंने कर्मचारियों के साथ

मारपीट की और उनके काम में बाधा डाली। यह FIR शेक्सपियर सरणी पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई। कोलकाता नगर निगम की एक टीम पुलिस के साथ मिलकर गुरुवार को 9, कामाक स्ट्रीट से एक अनधिकृत होर्डिंग हटाने पहुंची थी। नगर निकाय ने पुलिस से होर्डिंग हटाने में मदद मांगी थी, जिस पर TMC का साइन लगा हुआ था। हालांकि, टीम के पहुंचने पर बनर्जी, ओ'ब्रायन, बैसनोर चट्टोपाध्याय और अन्य सहित कई TMC नेताओं ने एक 'गैर-कानूनी भीड़' बनाई और पुलिसकर्मियों तथा KMC अधिकारियों के साथ हाथापाई की, जिससे वे अपना काम नहीं कर पाए।

पुलिस ने बताया कि TMC नेताओं के खिलाफ शेक्सपियर सरणी में भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धाराओं 191(2), 191(3), 190, 121(1), 74, 3(5) और 351(2) के तहत मामला दर्ज किया गया। TMC ने सिविक बॉडी और पुलिस की कार्रवाई की आलोचना करते हुए इसे 'राजनीतिक बदले की भावना' बताया है। पार्टी, जिसने 2026 के पश्चिम बंगाल चुनावों के बाद भारतीय जनता पार्टी के हाथों सत्ता गंवा दी थी, ने कहा है कि मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी TMC से 'डरे हुए' हैं। अभिषेक ने पर एक पोस्ट में कहा, 'पश्चिम बंगाल में संवैधानिक शासन का लगातार पतन हो रहा है और राज्य तेजी से पुलिस राज की ओर बढ़ रहा है। जब राज्य की सत्ता बिना किसी संवैधानिक रोक-टोक के काम करती है, तो न्यायपालिका ही बचाव की आखिरी उम्मीद होती है।' उन्होंने आगे कहा, 'अगर मौलिक अधिकारों के हनन के समय न्यायपालिका दखल नहीं देती है, तो दांव पर सिर्फ लोगों की आजादी नहीं होती, बल्कि लोकतंत्र का अस्तित्व ही दांव पर लग जाता है।

दिल्ली में सीएनजी की कीमत 3.89 रुपये प्रति किलो बढ़ी, आईजीएल ने लागू की नई दरें

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली और इसके आसपास के शहरों में सीएनजी की कीमत शनिवार से 3.89 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ जाएगी। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आईजीएल ने एक बयान में बताया कि सीएनजी के लिए जरूरी गैस का एक बड़ा हिस्सा आयातित तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) से पूरा किया जा रहा है, जिसकी हाजिर या मौजूदा बाजार में कीमतें पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद से बढ़ी हैं।

कंपनी ने कहा, ''अंतरराष्ट्रीय बाजार में एलएनजी की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं और लागत पर इसका असर लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में गैस की लागत में हुई बढ़ोतरी की आंशिक भरपाई के लिए सीएनजी की कीमत में 3.89 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि जरूरी हो गई है।'' आईजीएल ने कहा कि सीएनजी की नयी कीमत शनिवार सुबह छह बजे से लागू होगी।

सीएम सतीसन के काफि ले को रोकना पड़ा भारी, बीएनएस की गंभीर धाराओं में कांग्रेस नेता की गिरफ्तारी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

केरलम। केरलम के मुख्यमंत्री वी डी सतीशन का काफिला रोकने के आरोप में कांग्रेस के एक नेता को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। घटना उस समय हुई जब मुख्यमंत्री शुक्रवार शाम समाज सुधारक श्री नारायण गुरु के जयंती कार्यक्रम में शामिल होने चेम्पाझंथी जा रहे थे। अधिकारियों के अनुसार, तिरुवनंतपुरम ज़िला कांग्रेस कमेटी के नेता अनिल कुमार उर्फ.चेंथी अनी तथा अन्य लोगों ने कथित तौर पर मुख्यमंत्री के आधिकारिक काफि ले को रोक दिया। वे मांग कर रहे थे कि मुख्यमंत्री वहां आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हों, जबकि मुख्यमंत्री के तय कार्यक्रमों की सूची में यह कार्यक्रम शामिल नहीं था। पुलिस ने बताया कि रास्ते में, चेंथी में श्री नारायण गुरु का एक अन्य कार्यक्रम आयोजित कर रहे लोगों के एक समूह ने मुख्यमंत्री की गाड़ी को रुकने का इशारा किया। सतीशन उनके आग्रह पर गाड़ी से बाहर निकले और टेलीविजन फुटेज में कांग्रेस नेता अनी के साथ कथित तौर पर बहस करते दिखे।

पुलिस ने बताया कि उस जगह कुछ मिनट बिताने के बाद सतीशन अपनी गाड़ी में लौटे और चले गए। अधिकारियों ने कहा कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में चेंथी में किसी भी कार्यक्रम का उल्लेख नहीं था। इस घटना के बाद, कांग्रेस कार्यकर्ताओं समेत आयोजकों ने अपनी एक तस्वीर जारी की, जिसमें वे कुछ महीने पहले सचिवालय में मुख्यमंत्री से मिलकर उन्हें चेंथी में होने वाले कार्यक्रम के लिए आमंत्रण देते नजर आते हैं। उन्होंने पत्रकारों को यह भी बताया कि पुलिस बृहस्पतिवार को कार्यक्रम स्थल पर गई थी और मंच पर बैठने की अनुमति वाले लोगों की संख्या के बारे में सुझाव दिया था। शुक्रवार देर रात अनी को हिरासत में लेकर श्रीकार्यम थाने ले जाया गया, जहाँ मामला दर्ज किया गया। बाद में, पूछताछ के बाद उनकी गिरफ़्तारी दर्ज की गई। मामला भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 126(2), 351(2) और 132 के तहत दर्ज किया गया था, जो क्रमशः गलत तरीके से रोकने, आपराधिक धमकी देने और किसी सरकारी कर्मी को दायित्व निर्वहन से रोकने के लिए हमला करने या आपराधिक बल का प्रयोग करने से संबंधित हैं। प्राथमिकी के मुताबिक, शाम करीब 5.55 बजे मुख्यमंत्री की गाड़ी तब रुकी जब उन्होंने चेंथी में जुटे कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को देखा और उनसे बातचीत की। इसमें कहा गया है कि आरोपी ने कथित तौर पर मुख्यमंत्री से आक्रामक शैली में बात की और उनसे चिल्लाकर पूछा कि तय कार्यक्रम होने के बावजूद वह इसमें क्यों शामिल नहीं हो रहे। प्राथमिकी के अनुसार, जब आरोपी से आक्रामक न होने के लिए कहा गया, तो उसने कहा, ''अगर मुझे गुस्सा आ गया तो तुम क्या करोगे?

नवीन पटनायक ने ओडिशा के बीजेपी सांसदों से की अपील, माइनिंग कानून संशोधनों को बताया राज्य विरोधी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

ओडिशा। BJD अध्यक्ष नवीन पटनायक ने ओडिशा के BJD सांसदों को पत्र लिखकर MMDR एक्ट में किए गए उन बदलावों को वापस लेने की मांग की है, जिनसे उनके अनुसार राज्य सरकार की मिनरल राइट्स और मिनरल वाली जमीन पर टैक्स लगाने की शक्तियां सीमित हो जाएंगी। शनिवार को लिखे अपने पत्र में पटनायक ने सत्ताधारी पार्टी के सांसदों से उन लोगों के हितों की रक्षा करने की भी अपील की, जिन्होंने उन्हें संसद के लिए चुना था। उन्होंने कहा कि इस महीने की शुरुआत में संसद में 'माइंस एंड मिनरल्स (डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन) अमेंडमेंट बिल, 2026' के तौर पर पास किए गए इन बदलावों का ओडिशा पर दूरगामी असर पड़ेगा। पटनायक ने लिखा, मैं आपसे (बीजेपी सांसदों से) पुरजोर अपील करता हूँ कि आप अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनें और ओडिशा की आने वाली पीढ़ियों के बारे में सोचें। मैं आपसे अपील करता हूँ कि आप MMDR एक्ट में किए गए उस संशोधन को चुनौती दें और उसे पलटने की मांग करें, जिससे राज्य सरकार की शक्तियाँ छिन जाती हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि संसद 'भारतीय लोकतंत्र का सर्वोच्च मंदिर' है और सांसद लोकतंत्र के इस 'सबसे बड़े मंच' पर ओडिशा की आवाज हैं।

संपादक की कलम से

भारी बस्ता, दबता बचपन

ललित शर्मा
संपादक

सुबह का समय है। सड़क पर स्कूल की वर्दी पहने बच्चे दिखाई देते हैं। किसी के कंधे पर छोटा-सा बैग है तो किसी की पीठ पर इतना भारी बस्ता कि वह बच्चे से बड़ा दिखाई देता है। नन्हे कंधे बोझ से झुके हुए हैं और बच्चे किसी तरह कदम बढ़ाते हुए स्कूल की ओर जा रहे हैं। यह दृश्य इतना सामान्य हो गया है कि अब हम इसे समस्या मानना भी भूल गए हैं। लेकिन सवाल यह है कि जिस उम्र में बच्चे को खेलना, दौड़ना और उत्सुकता के साथ नई चीजें सीखनी चाहिए, उसी उम्र में उसकी पीठ पर इतना बोझ क्यों डाल दिया गया है ?एक दिलचस्प विरोधाभास भी देखने को मिलता है। प्राथमिक कक्षाओं के बच्चे कई-कई किताबें, नोटबुक, वर्कबुक और अन्य सामग्री लेकर स्कूल जाते हैं, जबकि कालेज में पढ़ने वाले अपेक्षाकृत बड़े और मजबूत छात्र अक्सर एक-दो नोटबुक या छोटी-सी फाइल लेकर दिखाई देते हैं। यह दृश्य केवल किसी एक स्कूल या प्रदेश की समस्या नहीं है। स्कूल बैग का बढ़ता वजन आज दुनिया के अनेक देशों के सामने एक गंभीर चुनौती बन चुका है। शिक्षा का उद्देश्य बच्चे के ज्ञान, सोच और व्यक्तित्व का विकास करना है। लेकिन जब शिक्षा का माध्यम ही बच्चे के लिए शारीरिक बोझ बन जाए, तो व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। बच्चों के भारी बैग की समस्या भारत के साथ चीन, जापान और कई अन्य देशों में भी दिखाई देती है। प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षाओं और पुस्तकीय ज्ञान पर अधिक जोर के कारण बच्चों को कम उम्र से ही बड़ी संख्या में किताबें, गाइड और अभ्यास पुस्तिकाएं साथ लेकर चलना पड़ता है। अमेरिका, ब्रिटेन और आस्ट्रेलिया जैसे देशों में भी स्कूल बैग के वजन को लेकर चिंता व्यक्त की जाती रही है। हालांकि वहां अनेक स्कूलों में लाकर की सुविधा उपलब्ध होती है, फिर भी गृहकार्य के लिए कुछ किताबें घर ले जाना आवश्यक होता है। इसके विपरीत फिनलैंड की शिक्षा व्यवस्था को अक्सर अलग उदाहरण के रूप में देखा जाता है। वहां प्राथमिक स्तर पर बच्चों पर गृहकार्य का दबाव अपेक्षाकृत कम है और व्यावहारिक, रचनात्मक तथा खेल आधारित शिक्षा को महत्व दिया जाता है। इसका असर बच्चों के स्कूल बैग पर भी दिखाई देता है। बच्चों के बैग का वजन बढ़ने के पीछे केवल किताबें जिम्मेदार नहीं हैं। स्कूल की समय-सारणी, अतिरिक्त पुस्तकों का चलन और व्यवस्था की कमी भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। एक दिन में छह से आठ पीरियड होते हैं। यदि टाइमटेबल इस तरह बनाया गया हो कि बच्चे को एक ही दिन में लगभग सभी विषयों की किताबें और कापियां लानी पड़ें, तो बैग का भारी होना स्वाभाविक है एक विषय के लिए केवल पाठ्यपुस्तक ही नहीं होती। क्लासवर्क की कापी, होमवर्क की कापी, असाइनमेंट बुक, प्रैक्टिकल कापी, मैप बुक और अन्य सामग्री भी बैग में चली आती है। इसके अलावा पानी की बोतल, लंच बाक्स, कलर बाक्स, कंपास बाक्स और प्रोजेक्ट सामग्री भी बच्चे को साथ लेकर चलनी पड़ती है। एक लीटर पानी की बोतल और भोजन का डिब्बा ही बैग का वजन काफी बढ़ा देते हैं। अधिकांश सरकारी और सामान्य निजी स्कूलों में बच्चों के लिए ऐसी पर्याप्त जगह या लाकर उपलब्ध नहीं होते, जहां वे अपनी किताबें रख सकें। परिणाम यह होता है कि बच्चा प्रतिदिन लगभग पूरा शैक्षणिक सामान घर से स्कूल और स्कूल से घर ढोता है। कई बार समस्या अभिभावकों की व्यस्तता से भी बढ़ जाती है। समय के अभाव में वे रोजाना बच्चे का बैग नहीं देख पाते। बच्चा भी कई बार अगले दिन की समय-सारणी के अनुसार किताबें निकालने के बजाय कई दिनों की किताबें बैग में ही छोड़ देता है। एक अन्य समस्या स्कूलों द्वारा निर्धारित अतिरिक्त पुस्तकों की है। पाठ्यपुस्तकों के अलावा निजी प्रकाशकों की पुस्तकें, प्रैक्टिस बुक और वर्कबुक भी अनिवार्य कर दी जाती हैं।

नेपाल की त्रासदी से भारत को सबक लेने की जरूरत

ललित गर्ग
लेखक

नेपाल में 26 अगस्त 2026 को आई विनाशकारी बाढ़ और हिमस्खलन ने एक बार फिर यह कठोर सत्य सामने ला दिया है कि प्रकृति के साथ खिलवाड़ और पहाड़ों की संवेदनशीलता की अनदेखी मानव सभ्यता के लिए कितनी भारी पड़ सकती है। भोटेकोशी नदी तंत्र में ग्लेशियर के बड़े हिस्से के टूटने, बर्फ-पत्थरों के विशाल मलबे के नीचे आने और नदी के प्रवाह में अस्थायी अवरोध बनने के बाद अचानक बाढ़ का जो रौद्र एवं भयावह रूप सामने आया, उसने नेपाल और चीन के तिब्बती क्षेत्र में भारी तबाही मचाई। 29 अगस्त तक उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार नेपाल में 579 और तिब्बत में 5 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है तथा लगभग 2,482 लोग लापता बताए जा रहे हैं। हजारों लोगों को बचाया गया है, लेकिन दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और लगातार बने नए खतरे के कारण राहत एवं बचाव कार्य अभी भी चुनौतीपूर्ण हैं। यह घटना केवल नेपाल की प्राकृतिक त्रासदी नहीं है, बल्कि पूरे हिमालयी क्षेत्र के लिए भविष्य का भयावह संकेत है। प्रारंभिक वैज्ञानिक आकलन बताते हैं कि ग्लेशियर का हिस्सा टूटकर नीचे गिरा, जिससे बर्फ, चट्टान, मिट्टी और मलबे का विशाल प्रवाह पैदा हुआ। इसने नदी के प्रवाह को अवरुद्ध किया और बाद में जमा पानी तथा मलबे के दबाव से अचानक विनाशकारी बाढ़ आई। विशेषज्ञों के अनुसार ऐसे घटनाक्रम को केवल सामान्य बाढ़ कहना भूल होगी, यह ग्लेशियर, भूस्खलन, मलबा-प्रवाह और नदी-बाढ़ जैसे अनेक खतरों के एक साथ सक्रिय होने वाली 'बहु-आपदा' का उदाहरण है।

इस त्रासदी का सबसे बड़ा संदेश जलवायु परिवर्तन से जुड़ा है। हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वतमाला नहीं, बल्कि एशिया की जल-सुरक्षा का आधार है। तापमान बढ़ने के साथ ग्लेशियर तेजी से पीछे हट रहे हैं और अनेक नई ग्लेशियर झीलें बन रही हैं। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट के अनुसार हिंदूकुश हिमालय क्षेत्र में लगभग 25,000 ग्लेशियर झीलें हैं और बढ़ता तापमान ग्लेशियर झीलों के फटने यानी (जीएलओएफ) के जोखिम को बढ़ा रहा है। नेपाल में 1920 के दशक से अब तक 90 से अधिक ग्लेशियर झील विस्फोट बाढ़ दर्ज की जा चुकी हैं। इसलिए यह मान लेना उचित नहीं होगा कि नेपाल की घटना का एकमात्र कारण ग्लोबल वार्मिंग ही है। भूकंपीय गतिविधियां, भूगर्भीय अस्थिरता, अत्यधिक वर्षा, हिमस्खलन और प्राकृतिक ढलानों की कमजोरी भी महत्वपूर्ण कारक हैं। लेकिन जलवायु परिवर्तन इन जोखिमों को बढ़ाने वाली पृष्ठभूमि अवश्य तैयार कर रहा है। गर्म होता हिमालय ग्लेशियरों और पर्वतीय भूभाग को अस्थिर कर रहा है, जिससे ऐसी घटनाओं की संभावित तीव्रता और व्यापकता बढ़ सकती है। वैज्ञानिकों ने भी इस बात पर सावधानी बरती है कि किसी एक घटना को सीधे जलवायु परिवर्तन का परिणाम घोषित करने के बजाय दीर्घकालिक जलवायु और भूगर्भीय बदलावों को साथ देखकर समझना चाहिए।

नेपाल की घटना भारत के लिए भी गहरी चेतावनी है। इस चेतावनी से सीख लेने की जरूरत है। उत्तराखंड की केदारनाथ त्रासदी, 2021 की ऋषिगंगा आपदा और हिमालयी राज्यों में बार-बार आने वाली बाढ़, भूस्खलन एवं बादल फटने की घटनाएं पहले ही बता चुकी हैं कि पहाड़ों की सहनशीलता असीमित नहीं है। हिमालय में सड़कें, सुरंगें, जलविद्युत परियोजनाएं, होटल, बस्तियां और अन्य निर्माण आवश्यकताओं को पूरा करने के नाम पर तेजी से बढ़ रहे हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या इनके लिए पर्वतीय पर्यावरण की वहन क्षमता का पर्याप्त आकलन हो रहा है? विकास जरूरी है, मगर ऐसा विकास जो पहाड़ों को खोखला करके ही संभव हो, अंततः मानव जीवन और स्वयं विकास दोनों के लिए संकट बन सकता है। आज सबसे बड़ी आवश्यकता 'आपदा के बाद राहत' से आगे बढ़कर 'आपदा से पहले तैयारी' की है। अत्याधुनिक सैटेलाइट निगरानी, ड्रोन, रडार, नदी सेंसर, ग्लेशियर और ग्लेशियर झीलों की निरंतर निगरानी तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित पूर्वानुमान प्रणालियों को हिमालयी क्षेत्र में व्यापक स्तर पर विकसित करना होगा। शुरूआती चेतावनी प्रणाली केवल राजधानी या प्रशासनिक केंद्र तक सीमित न रहे, बल्कि पहाड़ के अंतिम गांव तक मोबाइल संदेश, सायरन, रेडियो और स्थानीय स्वयंसेवी तंत्र के माध्यम से पहुंचे। नेपाल में वर्तमान त्रासदी के बाद भी एक और संभावित झील के फटने की आशंका ने स्पष्ट कर दिया है कि एक आपदा समाप्त होते ही दूसरी आपदा का खतरा पैदा हो सकता है।

नदियां राजनीतिक सीमाओं को नहीं पहचानतीं। भोटेकोशी जैसी सीमापार नदी प्रणालियों के लिए नेपाल, चीन, भारत और अन्य हिमालयी देशों के बीच वास्तविक समय में जल-प्रवाह, वर्षा, भूस्खलन, ग्लेशियर झील और हिमस्खलन संबंधी सूचनाओं का आदान-प्रदान आवश्यक है। किसी एक देश के पास उपलब्ध महत्वपूर्ण चेतावनी दूसरे देश के नागरिकों की जान बचा सकती है। अतः हिमालय के लिए एक साझा क्षेत्रीय आपदा-पूर्व चेतावनी नेटवर्क विकसित किया जाना चाहिए। भारत को इस दिशा में अपने हिमालयी राज्यों के लिए अलग 'माउंटेन सेफ्टी पॉलिसी' पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क या सुरंग बनाने से पहले भूगर्भीय जोखिम, जलधाराओं के प्राकृतिक मार्ग, भूस्खलन की संभावना और स्थानीय पारिस्थितिकी का वैज्ञानिक मूल्यांकन अनिवार्य होना चाहिए। अंधाधुंध वृक्ष कटाई, नदी किनारे अनियोजित निर्माण, पहाड़ों की अनावश्यक कटाई और पर्यटन के नाम पर अत्यधिक दबाव को नियंत्रित करना होगा। स्थानीय समुदायों को आपदा प्रबंधन की पहली पंक्ति बनाना होगा, क्योंकि किसी भी संकट में सबसे पहले वही लोग प्रभावित होते हैं और वही सबसे पहले सहायता भी कर सकते हैं।

दुनिया को जापान, स्विट्जरलैंड और अन्य पर्वतीय देशों से आपदा-प्रबंधन, भवन सुरक्षा, पूर्व चेतावनी और स्थानीय प्रशिक्षण की तकनीक सीखनी चाहिए। हिमालय को केवल पर्यटन और आर्थिक विकास का क्षेत्र मानना अब पर्याप्त नहीं है इसे एक जीवित, संवेदनशील और अत्यंत नाजुक पारिस्थितिक तंत्र के रूप में देखना होगा। प्रकृति को नियंत्रित करने की मनुष्य की महत्वाकांक्षा जितनी बढ़ेगी, प्रकृति का प्रतिरोध भी उतना ही भयावह हो सकता है। नेपाल की त्रासदी इसलिए केवल शोक मनाने का अवसर नहीं, बल्कि आत्ममंथन का क्षण है। हमें यह समझना होगा कि पहाड़ों को जीतना नहीं, उनके साथ जीना सीखना होगा। विकास की गति को प्रकृति की क्षमता के अनुरूप करना, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करना, वैज्ञानिक चेतावनियों को गंभीरता से लेना और सीमापार सहयोग बढ़ाना ही भविष्य की राह है। यदि इस त्रासदी से भारत और दुनिया ने समय रहते सबक ले लिया, तो नेपाल में बहा हुआ पानी केवल विनाश की कहानी नहीं रहेगा, वह आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित रखने की चेतावनी और नई पर्यावरणीय चेतना का संदेश भी बनेगा।

डिजिटल भारत दौड़ रहा है, सवाल है - दौड़ की लगाम किसके हाथ है?

प्रो. आरके जैन
लेखक

सेबी की मंजूरी के साथ रिलायंस जियो प्लेटफॉर्म्स का करीब 37,700 करोड़ रुपये का आईपीओ भारतीय शेयर बाजार में नया कीर्तिमान बना सकता है। करीब 27 करोड़ नए शेयर जारी होंगे और कंपनी का मूल्यांकन 137 अरब डॉलर तक पहुँच सकता है। रिलायंस इंडस्ट्रीज की 66 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी बनी रहेगी। मेटा और गूगल जैसे वैश्विक तकनीकी दिग्गज निवेश बनाए रखेंगे। आईपीओ से करीब 27,500 करोड़ रुपये रिलायंस जियो इन्फोकॉम का कर्ज चुकाने में जाएंगे। बाजार के लिए यह बड़ी पूंजी जुटाने की खबर है, लेकिन भारत के लिए सवाल बड़ा है—जियो का शेयर किस भाव पर बिकेगा, यह नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल दुनिया की चाबी किन हाथों में रहेगी।

2016 में जियो का आगमन महज नई टेलीकॉम कंपनी का प्रवेश नहीं था; उसने भारत में इंटरनेट की तस्वीर बदल दी। मुफ्त-सस्ते डेटा ने इंटरनेट को महानगरों से गाँव-कस्बों की जरूरत बना दिया। वीडियो कॉल, ऑनलाइन पढ़ाई, मनोरंजन बढ़े और छोटे कारोबार डिजिटल बाजार में आए। आज जियो के 53 करोड़ से अधिक ग्राहक हैं, जिनमें 50.6 करोड़ वायरलेस ग्राहक हैं (जुलाई 2026, ट्राई रिपोर्ट)। वह दुनिया के बड़े मोबाइल ऑपरेटरों में है। फिक्स्ड ब्रॉडबैंड में हिस्सेदारी 40% से अधिक, कुल ब्रॉडबैंड में करीब 49% और 5क्र फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस में 70% से ज्यादा है। राजस्व 1.47 लाख करोड़ और मुनाफा करीब 30 हजार करोड़ रुपये है। आंकड़े ताकत बताते हैं, लेकिन सवाल है—जियो की इस ऊँचाई के बाद दूसरों के लिए मैदान कितना बचा है? जियो की सफलता का दूसरा पहलू यहीं दिखता है। सस्ते डेटा ने करोड़ों भारतीयों को इंटरनेट से जोड़ा, लेकिन इस कीमत-क्रांति ने छोटे खिलाड़ियों की जगह भी घटाई। जब दो बड़ी कंपनियाँ ब्रॉडबैंड कनेक्शनों का करीब 84 प्रतिशत नियंत्रित करती हों, तो प्रतिस्पर्धा सिर्फ सस्ता पैकेज नहीं रह जाती। असली प्रतिस्पर्धा तब है, जब नया खिलाड़ी बाजार में आ सके, उपभोक्ता के पास विकल्प हों और छोटा खिलाड़ी बड़े को चुनौती दे सके। जियो ने दूरसंचार का खेल बदला, जिससे कई पुराने खिलाड़ी हाशिये पर चले गए या बाहर हो गए। यह पूंजीवाद की स्वाभाविक प्रक्रिया हो सकती है, लेकिन लोकतंत्र में सवाल जरूरी है—कहीं बाजार की जीत धीरे-धीरे विकल्पों की हार तो नहीं बन रही? आईपीओ की असली तस्वीर निवेशकों के व्यवहार में दिखती है। कोई मौजूदा निवेशक हिस्सेदारी बेच नहीं रहा; रिलायंस, मेटा और गूगल निवेश बनाए रख रहे हैं। यानी यह निकासी नहीं, विस्तार का आईपीओ है। कर्ज चुकाने के बाद कंपनी के पास विस्तार का मजबूत आधार होगा। विस्तार मोबाइल सिम तक सीमित नहीं; जियो एआई, क्लाउड और डिजिटल प्लेटफॉर्म की ओर बढ़ रही है। यहीं दूरसंचार डेटा की दुनिया में बदलता है। करोड़ों ग्राहकों का नेटवर्क उनकी पसंद, जरूरत और डिजिटल व्यवहार के संकेत जुटाता है। आज डेटा कारोबार की पूंजी, कल एआई की ताकत बन सकता है। इसलिए जियो की असली पूंजी टावर, स्पेक्ट्रम, ग्राहक और उनसे पैदा होने वाला डेटा है। डिजिटल दौर में एकाधिकार की शक्ल बदल चुकी है।

भारत में चर्चा अब तक स्पेक्ट्रम, लाइसेंस और टैरिफ तक रही, लेकिन नई सत्ता अदृश्य है। किसी कंपनी को हर घर पर कब्जा करने की जरूरत नहीं; डिजिटल निर्भरता का सबसे बड़ा दरवाजा बनना ही काफी है। सवाल इंटरनेट की कीमत का नहीं, बल्कि सूचना किस नेटवर्क से गुजरती है, विज्ञापन की दिशा कौन मोड़ता है और छोटी डिजिटल कंपनियाँ ग्राहकों तक किस तंत्र से पहुँचती हैं। स्थानीय समाचार मंच, ऐप कंपनियाँ और क्षेत्रीय डिजिटल सेवाएँ ऐसे डिजिटल जंगल में जगह तलाशती हैं, जिसकी सबसे ऊँची छत पहले ही किसी और के कब्जे में है। यह न सरकारी नियंत्रण है, न पुराना निजी एकाधिकार—यह नेटवर्क, पूंजी और डेटा से उभरती नई सत्ता है। जियो को इस पूरी कहानी का खलनायक मानना जितना आसान है, उतना ही अधूरा। भारत को डिजिटल बनाने में उसका योगदान ऐतिहासिक रहा है। सस्ता डेटा न आता तो करोड़ों भारतीय इतनी तेजी से इंटरनेट की मुख्यधारा में नहीं पहुँचते। लेकिन इतिहास चेताता है—समाज को जोड़ने वाली शक्ति जब एक जगह सिमटती है, तो विकल्प सिकुड़ते हैं। रेलवे ने भारत को जोड़ा, पर अगर हर पटरी, स्टेशन और टिकट एक ही हाथ में होता तो? डिजिटल भारत में नेटवर्क पटरी है, डेटा टिकट और उपभोक्ता यात्री। फर्क यह है कि इस यात्रा में यात्री अपने व्यवहार के निशान भी छोड़ता है। इसलिए मुद्दा जियो के योगदान को नकारना नहीं, उसकी शक्ति की लोकतांत्रिक सीमा तय करना है। डिजिटल बाजार की दिशा अब नियामकों की चौकसी तय करेगी। सेबी की जिम्मेदारी आईपीओ और निवेशक पारदर्शिता तक है, लेकिन प्रतिस्पर्धा बचाने का दायित्व प्रतिस्पर्धा आयोग और दूरसंचार नियामक का भी है। डेटा पोर्टेबिलिटी, इंटरऑपरेबिलिटी, प्लेटफॉर्म की निष्पक्षता और छोटे खिलाड़ियों के लिए समान अवसर अब तकनीकी शब्द नहीं, डिजिटल लोकतंत्र की बुनियाद हैं।

जियो की तकनीकी ताकत भारत को तेज 5-जी, बेहतर ब्रॉडबैंड, क्लाउड और एआई सेवाएँ दे सकती है, तो उसका लाभ देश तक पहुँचना चाहिए। लेकिन यही ताकत प्रतिस्पर्धियों को दबाने लगे, तो नियामकों का हस्तक्षेप जरूरी है। सफलता महत्वपूर्ण है, पर स्वतंत्र बाजार उससे भी बड़ा मूल्य है।

जियो का आईपीओ बाजार के लिए उत्सव, पर भारत के लिए बड़ा संकेत है। डिजिटल अर्थव्यवस्था के साथ सत्ता के केंद्रीकरण की आशंका बढ़ रही है। मुकेश अंबानी ने जोखिम उठाकर पूंजी लगाई और भारतीय डिजिटल बाजार बदल दिया—यह बड़ी उपलब्धि है। लेकिन लोकतंत्र किसी सफलता को स्थायी अधिकार नहीं देता। सवाल यह नहीं कि जियो 137 अरब डॉलर की होगी या आगे जाएगी; सवाल है कि उसके बाद नागरिक के पास कितने वास्तविक विकल्प रहेंगे। आज डेटा हमारी आदतों का रिकॉर्ड है, कल वही एआई की ताकत और अर्थव्यवस्था की मुद्रा बन सकता है। इसलिए जियो का आईपीओ केवल शेयरों की बिक्री नहीं, स्क्रीन के पीछे जमा डेटा से आकार लेती सत्ता की कहानी है।

राह दिखाने वाले बहुत मिलेंगे, पर चलना स्वयं पड़ेगा

किशन भावनानीं

कविता

परिवार ने स्नेह दिया, तो मित्रों ने हौसला बढ़ाया,
शिक्षक ने ज्ञान का दीप जलाकर, जीवन-पथ समझाया।
समाज ने अपने अनुभवों से, कितने सबक सिखाए,
बुजुर्गों ने आशीष देकर, मंज़िल के संकेत बताए।

हर कोई अपनी दृष्टि से, राह का सच बतलाएगा,
कोई काँटों से बचाएगा, कोई गिरकर उठना सिखाएगा।
पर दूसरों के सहारे कब तक, जीवन आगे बढ़ पाएगा,
कदम आपका ही होगा, जो मंज़िल तक ले जाएगा।

सलाह मिले तो सुन लेना, अनुभव को मन में बसाना,
सही लगे तो अपना लेना, गलत हो तो आगे बढ़ जाना।
रास्ते चाहे कठिन मिलें, हिम्मत को मत हारने देना,
अपने कर्मों की पतवार से, जीवन-नैया पार लगाना।

दुनिया राह दिखा सकती है, पर कदम नहीं बढ़ा सकती,
कोई पीड़ा समझे, पर दर्द स्वयं ही सहना पड़ता है।
सपनों को सच करने का श्रम, कोई और नहीं कर पाएगा,
जीवन की इस परीक्षा में, हमको स्वयं उतरना पड़ेगा।

परिवार, मित्र, गुरु और बुजुर्ग, सबका सम्मान करते चलना,
उनके अनुभवों से सीखकर, अपने विवेक से राह चुनना।
किशन दुनिया चाहे जितना थामे, आत्मबल रखना पड़ेगा,
राह दिखाने वाले बहुत मिलेंगे, पर चलना स्वयं पड़ेगा।

मिथकों के अंधेरे में घिरता वर्तमान: जब सच से ज्यादा शक्तिशाली हो गया है झूठ

एनके शर्मा
लेखक

हम ऐसे विचित्र दौर में प्रवेश कर चुके हैं जहाँ मनुष्य चाँद तक पहुँच गया, कृत्रिम बुद्धिमत्ता को अपनी बौद्धिक क्षमता का विस्तार दे रहा है, दुनिया को एक क्लिक में जोड़ चुका है, लेकिन अपने ही बनाए हुए मिथकों से मुक्त नहीं हो पाया। अंतर केवल इतना है कि पुराने मिथक कथाओं, परंपराओं और लोकविश्वासों में जन्म लेते थे, जबकि आज के मिथक राजनीति, बाजार, मीडिया, सोशल मीडिया और डिजिटल एल्गोरिद्म की प्रयोगशालाओं में निर्मित होते हैं। वे इतने योजनाबद्ध ढंग से हमारे सामने रखे जाते हैं कि कई बार झूठ, सत्य का रूप धारण कर लेता है और सत्य स्वयं कटघरे में खड़ा दिखाई देने लगता है।

आज का सबसे बड़ा ज्वलंत प्रश्न यही है कि आखिर हम किस पर विश्वास करें? उस सूचना पर जो हमारी भावनाओं को भड़काती है या उस तथ्य पर जिसे समझने के लिए धैर्य चाहिए? उस राजनीतिक भाषण पर जो हमें गौरव, भय या आक्रोश से भर देता है अथवा उन आंकड़ों पर जो किसी चमकदार दावे के पीछे छिपी वास्तविकता को उजागर करते हैं? लोकतंत्र के लिए इससे बड़ा खतरा शायद ही कोई हो सकता है कि नागरिक सत्य की खोज करने के बजाय अपनी पसंद के सत्य का चयन करने लगे। आज राजनीतिक विमर्श का बड़ा हिस्सा विचारों की प्रतिस्पर्धा कम और भावनाओं की नीलामी अधिक बनता जा रहा है। राष्ट्र, धर्म, जाति, भाषा, क्षेत्र और अस्मिता जैसे संवेदनशील विषयों को राजनीतिक लाभ के लिए बार-बार उभारा जाता है। सवाल यह नहीं कि ये विषय महत्वपूर्ण हैं या नहीं; सवाल यह है कि क्या इन्हें समाज को जोड़ने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है या समाज को विभाजित करने के लिए। राजनीति लोकतंत्र की अनिवार्य शक्ति है, लेकिन जब सत्ता प्राप्त करना ही राजनीति का अंतिम उद्देश्य बन जाए, तब सिद्धांत पीछे और रणनीति आगे हो जाती है। जनता को नागरिक के बजाय मतदाता, मतदाता को वोट और वोट को केवल संख्या मानने की प्रवृत्ति लोकतंत्र को धीरे-धीरे खोखला करती है। चुनाव समाप्त होते ही जिन वादों की गूंज आसमान तक पहुँचती है, उनमें से कितने वादे जनता के जीवन में उतरते हैं—यह प्रश्न आज भी उतना ही असहज है जितना आवश्यक। इसी के समानांतर एक दूसरा मिथक गढ़ा गया है—ह्लजो दिखाई दे रहा है, वही विकास है।ह्व चमकते एक्सप्रेसवे, ऊँची इमारतें, विशाल परियोजनाएँ, डिजिटल सेवाएँ और तकनीकी उपलब्धियाँ निस्संदेह विकास के महत्वपूर्ण प्रतीक हैं। लेकिन क्या विकास का अर्थ केवल भौतिक संरचनाओं का विस्तार है?

यदि उसी समाज में किसान अपनी उपज के मूल्य को लेकर चिंतित है, युवा रोजगार की तलाश में भटक रहा है, गरीब बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए संघर्ष कर रहा है और मध्यम वर्ग महँगाई तथा भविष्य की असुरक्षा से जूझ रहा है, तो हमें विकास के अर्थ पर गंभीरता से विचार करना होगा। विकास की सबसे बड़ी परीक्षा किसी शहर की ऊँची इमारत नहीं, बल्कि उस समाज के सबसे कमजोर व्यक्ति का जीवन है। जिस विकास में अंतिम व्यक्ति की गरिमा सुरक्षित नहीं, वह विकास अधूरा है। जिस अर्थव्यवस्था में संपत्ति का विस्तार तो हो लेकिन अवसरों का न्यायपूर्ण वितरण न हो, वहाँ चमक के पीछे गहरी असमानता छिपी हो सकती है। हमारे समय का एक और खतरनाक मिथक है कि सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को पत्रकार बना दिया है।

वास्तव में उसने हर व्यक्ति को सूचना का वाहक तो बना दिया, लेकिन सत्य का प्रहरी नहीं। एक अपुष्ट वीडियो, पुरानी तस्वीर या भ्रामक शीर्षक कुछ ही घंटों में लाखों लोगों की धारणा बदल सकता है। डिजिटल भीड़ फैसला सुना देती है और कभी-कभी न्याय की वास्तविक प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही किसी व्यक्ति को दोषी घोषित कर देती है। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत प्रतिष्ठा के लिए खतरा नहीं; यह लोकतांत्रिक विवेक के लिए भी गंभीर चुनौती है। जब भावनाएँ तथ्य से तेज दौड़ने लगें, तब समाज में न्याय की जगह भीड़ का निर्णय लेने लगता है। इतिहास में भीड़ के उन्माद ने कभी सभ्यताओं का निर्माण नहीं किया; उसने केवल विनाश को जन्म दिया है। मीडिया की भूमिका यहाँ निर्णायक हो जाती है। पत्रकारिता का धर्म सत्ता का प्रचार करना नहीं, सत्ता से प्रश्न करना है; जनता की भावनाओं को भड़काना नहीं, उन्हें तथ्य उपलब्ध कराना है। लेकिन जब समाचार संस्थानों पर बाजार, विज्ञापन, राजनीतिक दबाव और टीआरपी का प्रभाव बढ़ता है, तब पत्रकारिता के सामने सबसे बड़ा संकट आर्थिक नहीं, नैतिक बन जाता है। यदि समाचार और प्रचार के बीच की रेखा मिट गई, तो लोकतंत्र में सूचना का स्वतंत्र प्रवाह भी संकट में पड़ जाएगा। आज तकनीक ने एक नया प्रश्न भी हमारे सामने रख दिया है—क्या सुविधा के बदले हम अपनी स्वतंत्रता गिरवी रख रहे हैं? हमारे व्यवहार, पसंद, खोज, खरीदारी और डिजिटल गतिविधियों से निर्मित विशाल डेटा अब आधुनिक अर्थव्यवस्था की सबसे मूल्यवान संपत्तियों में से एक है। प्रश्न यह है कि इस डेटा पर वास्तविक नियंत्रण किसका है? नागरिक का, कंपनियों का या उन प्रणालियों का जिन्हें सामान्य व्यक्ति समझ भी नहीं पाता? कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस प्रश्न को और गहरा कर रही है। मशीनें हमारे काम को आसान करेंगी, निर्णयों में सहायता करेंगी और उत्पादकता बढ़ाएँगी—यह संभावनाएँ स्वागत योग्य हैं। लेकिन यदि मनुष्य अपनी नैतिक जिम्मेदारी मशीनों को सौंपने लगे, तो तकनीकी प्रगति मानव विवेक का विकल्प नहीं बन सकती। मशीन गणना कर सकती है; करुणा नहीं। वह पैटर्न पहचान सकती है; न्याय का नैतिक अर्थ स्वयं तय नहीं कर सकती। इस पूरे परिदृश्य में पर्यावरण का संकट हमारी सभ्यता के सामने सबसे कठोर आईना है। हमने प्रकृति को संसाधन समझा और स्वयं को उसका स्वामी। नदियों को हमने नालों में बदल दिया, जंगलों को भूमि में, हवा को प्रदूषण में और विकास को असीमित उपभोग में। अब प्रकृति धीरे-धीरे अपना हिसाब मांग रही है। बढ़ता तापमान, अनियमित वर्षा, जल संकट, प्रदूषण और प्राकृतिक आपदाएँ चेतावनी दे रही हैं कि पृथ्वी हमारे लालच की अनंत आपूर्ति मशीन नहीं है। विडंबना यह है कि हम आने वाली पीढ़ियों की चिंता पर भाषण तो बहुत देते हैं, लेकिन उनके हिस्से की हवा, पानी और प्राकृतिक संसाधनों का उपभोग आज ही कर लेना चाहते हैं। यह कैसी सभ्यता है जो भविष्य के बच्चों के नाम पर योजनाएँ बनाती है और उन्हीं बच्चों के भविष्य से संसाधन उधार लेती जाती है? सामाजिक विभाजन भी हमारे समय की सबसे गंभीर वास्तविकताओं में से एक है। असहमति को दुश्मनी समझने की प्रवृत्ति लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। किसी व्यक्ति से विचारों में असहमति होना स्वाभाविक है; उसे शत्रु मान लेना लोकतांत्रिक संस्कृति का पतन है।

राष्ट्र तभी मजबूत होता है जब उसमें

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

एसडीएम की बेटी को एक्सपायरी इंजेक्शन लगाने का मामला: डीएम ने किया अस्पताल का औचक निरीक्षण

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। लालगंज तहसील के उपजिलाधिकारी (एसडीएम) की बेटी को कथित तौर पर एक्सपायरी डेट का इंजेक्शन लगाए जाने का मामला सामने आने के बाद जिला प्रशासन ने स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी तेज कर दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुखपाल नगर का अचानक निरीक्षण किया और अस्पताल की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। जिलाधिकारी ने अस्पताल पहुंचकर सबसे पहले भर्ती मरीजों से बातचीत की और उनके इलाज व स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने मरीजों से यह भी पूछा कि अस्पताल में उपलब्ध दवाएं उन्हें समय पर मिल रही हैं या नहीं तथा कहीं चिकित्सक या कर्मचारी बाहर से दवाएं खरीदने के लिए तो नहीं कह रहे हैं। मरीजों ने डीएम को बताया कि उन्हें बाहर से दवाएं खरीदने के लिए नहीं लिखा जा रहा है। निरीक्षण के दौरान डीएम ने अस्पताल में दवाओं की उपलब्धता, मरीजों को मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं और चिकित्सकों की उपस्थिति की भी पड़ताल की। इसी दौरान चिकित्सक डॉ. शिवानी ड्यूटी पर अनुपस्थित मिलीं। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को मामले में आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। लालगंज में एसडीएम की बेटी को एक्सपायरी इंजेक्शन लगाए जाने की शिकायत के बाद डीएम का यह औचक निरीक्षण महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रशासन अब सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में दवाओं की गुणवत्ता, एक्सपायरी दवाओं की निगरानी, चिकित्सकों की उपस्थिति और मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की स्थिति पर विशेष नजर रख रहा है। जिलाधिकारी के निरीक्षण से स्वास्थ्य विभाग में भी हड़कंप की स्थिति है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में स्वास्थ्य केंद्रों पर व्यवस्थाओं की जांच और सख्त की जा सकती है। वहीं, एक्सपायरी इंजेक्शन प्रकरण में प्रशासन की अगली कार्रवाई को लेकर भी लोगों की नजरें टिकी हुई हैं।

6.87 करोड़ से बनेगा थाना उसका बाजार का प्रशासकीय भवन, प्रभारी मंत्री अनिल राजभर ने किया शिलान्यास

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। थाना उसका बाजार में 6 करोड़ 87 लाख 56 हजार रुपये की लागत से बनने वाले प्रशासकीय भवन (जी+2) का शनिवार को मुख्य अतिथि प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री तथा जनपद प्रभारी मंत्री अनिल राजभर ने भूमिपूजन कर शिलान्यास किया। उन्होंने शिलापट का अनावरण भी किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष भाजपा दीपक मौर्या, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन और मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह मौजूद रहे। प्रभारी मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश की कानून-व्यवस्था मजबूत हुई है। पुलिस को आधुनिक संसाधनों से लैस करने के साथ बेहतर तकनीक के प्रयोग पर भी जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशासकीय भवन बनने के बाद थाना उसका बाजार एक मॉडल थाना के रूप में विकसित होगा। पुलिसकर्मियों के आवास, कार्यालय और पुलिस लाइन में आधुनिक सुविधाओं के लिए भी लगातार कार्य हो रहे हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या ने कहा कि प्रशासनिक भवन का निर्माण क्षेत्र के लोगों को बेहतर सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराने में सहायक होगा। सरकार पात्र लोगों को आवास, निशुल्क राशन, बिजली कनेक्शन, रसोई गैस और शौचालय सहित विभिन्न योजनाओं का लाभ दे रही है। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने कहा कि थाना भवन के निर्माण से पुलिसकर्मियों को बेहतर कार्य वातावरण मिलेगा। अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद ने भवन निर्माण से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान, जिला उपाध्यक्ष आशीष शुक्ला, हेमंत जायसवाल समेत अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

वेलकम इंडिया की खबर का हुआ असर, फटकार के बाद बहाल हुई विद्युत व्यवस्था

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। रक्षाबंधन के दिन सुबह से बाधित विद्युत आपूर्ति को लेकर ग्रामीणों की शिकायत आखिरकार रंग लाई। विद्युत सब स्टेशन लालगंज के अंतर्गत करीब आधा दर्जन गांवों में दिनभर बिजली नहीं पहुंची। रात होने के बाद भी आपूर्ति बहाल न होने से ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों ने मामले की सूचना वेलकम इंडिया के प्रतापगढ़ कार्यालय को दी, जिसके बाद समस्या को प्रमुखता से उठाया गया। मामला सामने आने के बाद विद्युत विभाग के अधिकारियों ने गंभीरता दिखाते हुए संबंधित कर्मचारियों को फटकार लगाई। इसके बाद प्रभावित गांवों में विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी गई। बिजली आने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। वहीं, विद्युत लाइनमैन किशन पर पैसे मांगने के लगाए गए आरोप को लेकर उन्होंने सफाई दी। किशन ने कहा कि उनके द्वारा किसी भी प्रकार के पैसे की मांग नहीं की गई थी। उन्होंने बताया कि केवल यह कहा गया था कि अंधेरा होने के कारण रात में फॉल्ट तलाशना मुश्किल होगा।

लाइनमैन के अनुसार, क्षेत्र में भारी बारिश के चलते जगह-जगह जलभराव था और लाइन काफी लंबी होने के कारण रात में फॉल्ट का सही स्थान पता लगाना मुश्किल था। उन्होंने कहा कि यदि जलभराव की स्थिति नहीं होती तो फॉल्ट तलाशने में इतनी परेशानी नहीं होती। ग्रामीणों ने उनकी बात को गलत समझते हुए पैसे मांगने का आरोप लगा दिया। विद्युत व्यवस्था बहाल होने के बाद ग्रामीणों ने राहत जताई। वहीं, वेलकम इंडिया द्वारा ग्रामीणों की समस्या को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद तत्काल कार्रवाई होने को क्षेत्र में अखबार के असर के तौर पर देखा जा रहा है।

मौसम बदला तो बढ़ी बीमारियां, खेसरहा सीएचसी में उमड़ी मरीजों की भीड़

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

खेसरहा/सिद्धार्थनगर। जनपद के खेसरहा क्षेत्र में बदलते मौसम के साथ मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ने लगा है। शनिवार, 29 अगस्त को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) खेसरहा में इलाज के लिए सैकड़ों मरीज पहुंचे। सुबह से ही अस्पताल में मरीजों और उनके परिजनों की भारी भीड़ देखने को मिली।अस्पताल पहुंचने वाले अधिकांश मरीज बुखार, सर्दी-जुकाम, खांसी, कमजोरी, सिरदर्द और पेट संबंधी समस्याओं से पीड़ित थे। मरीजों की बढ़ती संख्या के कारण पंजीकरण काउंटर से लेकर चिकित्सकों के कक्ष तक भीड़ लगी रही।शनिवार सुबह से ही सीएचसी खेसरहा में मरीजों का पहुंचना शुरू हो गया था। दोपहर तक अस्पताल परिसर में काफी भीड़ हो गई। पर्चा बनवाने के लिए मरीजों और उनके परिजनों को कतार में खड़ा रहना पड़ा, जबकि डॉक्टरों के कक्ष के बाहर भी इलाज के इंतजार में लोगों की भीड़ लगी रही। अस्पताल में पहुंचने वाले अधिकांश लोग वायरल फीवर जैसे लक्षणों से परेशान थे। कई मरीज सर्दी-जुकाम, खांसी और कमजोरी की शिकायत लेकर पहुंचे। वहीं सिरदर्द और पेट से जुड़ी समस्याओं वाले मरीजों की संख्या भी अधिक रही। बदलते मौसम में तापमान और वातावरण में लगातार हो रहे बदलाव को बीमारियों के बढ़ने की एक प्रमुख वजह माना जा रहा है।सीएचसी में तैनात डॉ. शाहनवाज ने बताया कि बदलते मौसम के दौरान लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहने की जरूरत है। मौसम में उतार-चढ़ाव के कारण वायरल फीवर, सर्दी-जुकाम और अन्य मौसमी बीमारियों के मामले बढ़ जाते हैं।उन्होंने कहा कि तेज बुखार या लगातार किसी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर लापरवाही नहीं करनी चाहिए और समय रहते चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। डॉ. शाहनवाज ने लोगों से घर और आसपास साफ-सफाई बनाए रखने की अपील की। उन्होंने स्वच्छ पानी पीने और बासी भोजन के सेवन से बचने की सलाह दी। बदलते मौसम में खानपान में सावधानी बरतने से कई बीमारियों से बचाव किया जा सकता है। अस्पताल में चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों ने मरीजों का परीक्षण कर आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराईं। मरीजों की संख्या बढ़ने के बावजूद स्वास्थ्यकर्मी लगातार इलाज और जांच में जुटे रहे।

काइंड हॉस्पिटल में 31 अगस्त को मरीजों को परामर्श देंगे वरिष्ठ विशेषज्ञ

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। बेदौला चौराहा स्थित काइंड हॉस्पिटल एंड मैटरनिटी सेंटर में 31 अगस्त को लखनऊ के वरिष्ठ चिकित्सक एवं पेट, आंत व कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. एस. खान मरीजों को परामर्श देंगे।चिकित्सक सुबह नौ बजे से अस्पताल में उपलब्ध रहेंगे।

अस्पताल के निदेशक डॉ. लुकमान अहमद ने बताया कि डॉ. खान पेट एवं आंत संबंधी रोगों, उन्नत दूरबीन विधि से होने वाली शल्य चिकित्सा तथा कैंसर रोगों से संबंधित मरीजों को चिकित्सकीय परामर्श देंगे।

पेट, यकृत और कैंसर संबंधी समस्या से पीड़ित मरीज इस विशेष परामर्श सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने बताया कि मरीजों को परामर्श के लिए पहले से समय लेने की सुविधा उपलब्ध है। इसके लिए 7860346666 और 8922980229 मोबाइल नंबर पर संपर्क किया जा सकता है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार विशेषज्ञ चिकित्सक के उपलब्ध रहने से क्षेत्र के मरीजों को स्थानीय स्तर पर विशेषज्ञ चिकित्सकीय सलाह मिल सकेगी।

नेपाल में नदी की तेज धारा में बहा इटवा का युवक, शव बरामद

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

इटवा/सिद्धार्थनगर। नेपाल के बुटवल क्षेत्र में नदी की तेज धारा में बहने से इटवा निवासी 34 वर्षीय प्रभात सोनी की मौत हो गई। शनिवार दोपहर खोजबीन के दौरान उनका शव बरामद किया गया। हादसे की जानकारी मिलते ही इटवा स्थित घर में कोहराम मच गया। पिता अवधेश सोनी समेत परिजन नेपाल के लिए रवाना हो गए। नगर पंचायत इटवा निवासी प्रभात सोनी पुत्र अवधेश सोनी शुक्रवार को रक्षाबंधन के अवसर पर अपनी मां को लेकर मऊ-जिगिनिहवा स्थित ननिहाल गए थे। वहां से छोटे भाई शिवा सोनी, मां और मामा के परिवार के कुछ लोगों के साथ नेपाल घूमने चले गए। बताया गया कि बुटवल में नदी के पास सभी लोग पत्थर पर बैठे थे। इसी दौरान अचानक नदी की धारा तेज हो गई और प्रभात उसकी चपेट में आकर बह गए। आशंका है कि बहने के दौरान सिर में पत्थर लगने से उन्हें गंभीर चोट आई। घटना के बाद साथ मौजूद लोगों ने शोर मचाया। सूचना पर नेपाली प्रशासन ने खोजबीन शुरू की। शनिवार को उनका शव बरामद हुआ, जिसे पुलिस ने कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी। प्रभात दो भाइयों में सबसे बड़े थे। उनकी शादी हो चुकी थी और दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी चार वर्ष और छोटी करीब डेढ़ वर्ष की है। हादसे की सूचना पर घर में लोगों की भीड़ जुट गई। पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. सतीश द्विवेदी भी प्रभात के घर पहुंचे।

त्योहारों के दृष्टिगत प्रतापगढ़ मे 24 अक्टूबर तक रहेगी निषेधाग्या: जिलाधिकारी

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। जिला मजिस्ट्रेट अभिषेक पाण्डेय ने आगामी त्योहारों जन्माष्टमी, महात्मा गांधी जयन्ती, दुर्गापूजा, महाअष्टमी, महानवमी, दशहरा एवं भरत मिलाप तथा समय-समय पर विभिन्न परीक्षाओं के दृष्टिगत जनपद में 24 अक्टूबर 2026 तक भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा लागू कर दिया है। यह आदेश जनपद के सम्पूर्ण क्षेत्र में एवं जनपद में निवास करने वाले तथा जनपद की सीमा में प्रवेश करने वाले समस्त व्यक्तियों पर प्रभावी होगा।

उन्होने बताया है कि एक स्थान पर 5 या 5 से अधिक व्यक्तियों का विधि विरूद्ध जमाव प्रतिबन्धित किया जाता है। त्योहार के पावन पर्व पर कोई नई परम्परा नहीं कायम की जायेगी। कोई भी व्यक्ति किसी सार्वजनिक स्थानों पर रिवाल्वर, पिस्टल, राइफल, एक नली बन्दूक व दो नली बन्दूक अथवा घातक हथियार यथा चाकू बल्लम, फरसा, विस्फोटक, ज्वलनशील पदार्थ, तेजाब आदि अथवा लाठी, डंडा, हाकी स्टिक आदि या किसी भी प्रकार का हथियार/शस्त्र लेकर नहीं चलेगा, न तो उसका प्रयोग करेगा। यह प्रतिबन्ध सरकारी ड्युटी पर तैनात अधिकारी/कर्मचारी तथा बैंक में लगे हुए सुरक्षा कर्मियों पर लागू नहीं होगा। शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों को उनके सहारे के रूप में लाठी या डंडा लेकर चलने की छूट रहेगी। किसी भी सार्वजनिक धार्मिक स्थल पर डी०जे०, गीत-संगीत आदि की आवाज निर्धारित मानकों से अधिक नहीं होगी व लाउडस्पीकर का प्रयोग किसी भी दशा में इस प्रकार से नहीं किया जायेगा, जिससे विभिन्न सम्प्रदाय के लोगों में उत्तेजना फैलने की सम्भावना हो। लाउडस्पीकर का प्रयोग सक्षम अधिकारी एवं संबन्धित उप जिला मजिस्ट्रेट की पूर्व अनुमति से ही किया जा सकेगा। कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह किसी भी सार्वजनिक, धार्मिक स्थल पर कोई ऐसी जनसभा, रैली या जुलूस का आयोजन नहीं किया जायेगा और न ही किसी प्रकार की अफवाह फैलाई जायेगी जिससे विभिन्न समुदाय के लोगों में मनमुटाव, वैमनस्यता या घृणा की भावना उत्पन्न हो। कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह कोई ऐसी आलोचना नहीं करेगा जिसकी सत्यता स्थापित न हुई हो या तोड़-मरोड़ कर कही गयी बातों पर आधारित हो एवं जातीय या साम्प्रदायिक भावनाओं की दुहाई नहीं देगा। मस्जिदों, गिरिजाघरों, मन्दिरों या अन्य पूजा स्थलों को सभा स्थल के रूप में प्रयोग नहीं किया जायेगा और न ही इन स्थानों से जुलूस या रैली निकाली या समाप्त की जायेगी।

कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह प्रत्येक व्यक्ति के शांतिपूर्ण व विघ्न रहित जिन्दगी अधिकार को ध्यान में रखते हुए व्यक्तियों के विचारों या कार्यों का विरोध करने के लिए उनके घरों के सामने धरना, प्रदर्शन आदि का आयोजन नहीं करेगा। कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह कोई ऐसा कार्य नहीं करेगा जिससे विभिन्न जातियों, धार्मिक व भाषायी समुदायों के बीच मतभेद बढ़े अथवा घृणा की भावना या तनाव पैदा हो। कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह साम्प्रदायिक सौहार्द, शांति व्यवस्था एवं लोक व्यवस्था को भंग करने व लोगों को गुमराह करने वाले किसी भी प्रकार की अफवाह को प्रचारित व प्रसारित नहीं करेगा। कोई भी व्यक्ति, व्यक्तियों का समूह किसी प्रकार की नारेबाजी, उत्तेजना फैलाने वाले या साम्प्रदायिक सद्भाव विगाड़ने वाले प्रचार नहीं करेगा। परीक्षा केन्द्रों के आस-पासं 200-300 मीटर की परिधि में ध्वनि विस्तारक यन्त्रों, ब्लूटूथ एवं आई०टी० गैजेट्स सहित इसी प्रकार की अन्य इलेक्ट्रनिक डिवाइस का प्रयोग पूर्णतया प्रतिबन्धित रहेगा। परीक्षा केन्द्र के आस-पास 01 किमी0 की परिधि में फोटो कापियर एवं स्कैनर का संचालन परीक्षा अवधि में पूर्णतया प्रतिबन्धित रहेगा। कोई भी परीक्षार्थी बिना परीक्षा सम्पन्न हुए सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना परीक्षा कक्ष से बाहर नहीं जायेगा और न ही उत्तर पुस्तिका बाहर ले जायेगा।

गंगा किनारे बसे 24 गांवों की जिंदगी पर हर साल बाढ़ का कहर, कमाई का बड़ा हिस्सा भरपाई में खर्च

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में गंगा किनारे बसे करीब दो दर्जन गांवों के ग्रामीणों के लिए बरसात का मौसम हर साल नई मुसीबत लेकर आता है। गंगा का जलस्तर बढ़ते ही बाढ़ का खतरा मंडराने लगता है और देखते ही देखते खेतों से लेकर घरों तक पानी पहुंच जाता है। बाढ़ का पानी उतरने के बाद भी ग्रामीणों की मुश्किलें खत्म नहीं होतीं। उन्हें महीनों तक घर, खेत और बुनियादी सुविधाओं को दोबारा दुरुस्त करने में जुटना पड़ता है। गढ़मुक्तेश्वर की गंगा तलहटी में रामपुर, न्यामतपुर, कुदैनी की मंढैया, भगवंतपुर, नयागांव, नयाबांस, काकाठेर, गढ़ावली, लठीरा और गंगानगर समेत करीब दो दर्जन गांव बसे हैं। इन गांवों में लगभग 70 हजार लोग रहते हैं। इन ग्रामीणों की जिंदगी का बड़ा हिस्सा हर साल बाढ़ के बाद हुए नुकसान की भरपाई में गुजर जाता है। ग्रामीण सालभर मेहनत कर खेतों में फसल तैयार करते हैं और घरों को बेहतर बनाने के लिए पैसा जुटाते हैं, लेकिन बाढ़ का एक दौर उनकी पूरी मेहनत पर पानी फेर देता है। बाढ़ का पानी घरों में घुसने से कई परिवारों को छतों पर रहने और वहीं खाना बनाने तक की मजबूरी होती है। खेतों में खड़ी फसल बर्बाद हो जाती है और सड़कें व खरंजे पानी के तेज बहाव में उखड़कर जर्जर हो जाते हैं। पानी का दबाव मकानों को भी नुकसान पहुंचाता है। कई घरों में दरारें पड़ जाती हैं और हर साल दर्जनों मकानों के गिरने की स्थिति बन जाती है। खेतों की मेढ़ बह जाने के बाद किसानों को पानी उतरने पर फिर से खेतों को तैयार करना पड़ता है।

ग्रामीणों के लिए बाढ़ का पानी उतरना राहत के साथ नई परेशानी भी लेकर आता है। खेतों की मेढ़ बांधने, सड़क-खरंजे और नालियां दुरुस्त कराने तथा क्षतिग्रस्त मकानों की मरम्मत में बड़ी रकम खर्च हो जाती है। जलभराव के कारण संक्रमण फैलने का खतरा रहता है और पशुओं के इलाज पर भी अतिरिक्त खर्च करना पड़ता है। स्थिति यह है कि एक सामान्य किसान परिवार सालभर में जितनी कमाई करता है, उसका बड़ा हिस्सा बाढ़ के बाद घर और खेतों को फिर से व्यवस्थित करने में खर्च हो जाता है। हर साल हजारों रुपये के घरेलू सामान, उपकरण और फर्नीचर भी खराब हो जाते हैं। लगातार होने वाला नुकसान इन गांवों की आर्थिक स्थिति पर सीधा असर डाल रहा है। ग्रामीणों की आय का बड़ा हिस्सा बाढ़ से हुए नुकसान की भरपाई में चला जाता है, जिससे वे अपनी रोजमर्रा की जरूरतों से आगे बढ़कर घर, शिक्षा और अन्य जरूरी विकास कार्यों पर पर्याप्त खर्च नहीं कर पाते। दशकों से चली आ रही इस स्थिति ने गांवों के विकास की रफ्तार को भी प्रभावित किया है। ग्रामीणों के सामने हर साल यही सवाल खड़ा होता है कि बाढ़ से बचें या बाढ़ के बाद उजड़ा जीवन दोबारा बसाएं। गंगा किनारे बसे इन गांवों के ग्रामीणों के लिए हर साल बाढ़ का इंतजार किसी चुनौती से कम नहीं होता। ग्रामीणों की समस्या केवल जलभराव या फसल खराब होने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर उनकी पूरी आर्थिक व्यवस्था पर पड़ता है। बाढ़ आने से पहले लोग अपने घरों और पशुओं को सुरक्षित रखने की तैयारी करते हैं, जबकि बाढ़ के बाद क्षतिग्रस्त मकानों, रास्तों और खेतों को दोबारा ठीक कराने में जुट जाते हैं। इस पूरी प्रक्रिया में उनकी मेहनत के साथ बड़ी रकम भी खर्च होती है। गांवों में रहने वाले किसान खेती पर काफी हद तक निर्भर हैं। ऐसे में फसल बर्बाद होने का सीधा असर परिवार की आमदनी पर पड़ता है। खेतों की मेढ़ बह जाने और जमीन पर जमा पानी के कारण अगली फसल की तैयारी भी प्रभावित होती है। वहीं, घरों और घरेलू सामान को हुए नुकसान की भरपाई अलग से करनी पड़ती है। ग्रामीणों के लिए बाढ़ अब केवल प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि हर साल दोहराई जाने वाली आर्थिक चुनौती बन गई है।

एथर गांव में आयोजित हुआ शानदार जलसा, मौलाना जुबेर ने की प्रभावशाली तकरीर

वेलकम इंडिया/फतेह खान

शुजागंज/अयोध्या। एथर गांव में एक शानदार धार्मिक जलसे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में अकीदतमंदों एवं ग्रामीणों ने शिरकत की। कार्यक्रम में मौलाना जुबेर ने प्रभावशाली तकरीर करते हुए लोगों को दीन की शिक्षाओं पर अमल करने, आपसी भाईचारा कायम रखने और नेक रास्ते पर चलने का संदेश दिया। उनकी तकरीर को उपस्थित लोगों ने खूब सराहा। जलसे में कारी फजील सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस दौरान समाजसेवी संतोष, पत्रकार फतेह खान एवं मोहम्मद अनस ने भी कार्यक्रम में शामिल होकर आयोजकों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम के दौरान कमेटी के सदस्यों ने माला पहनाकर मौलाना जुबेर का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस मौके पर कमेटी के लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम का आयोजन कमेटी के सदस्यों की देखरेख में किया गया, जबकि पूरे कार्यक्रम की व्यवस्था शान मोहम्मद की देखरेख में रही। जलसे को सफल बनाने में कमेटी के सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी से जलसे का माहौल बेहद खुशनुमा और उत्साहपूर्ण रहा। कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

सीएम धामी ने हल्द्वानी में 'उत्तराखंड राज्य खेल विश्वविद्यालय' के प्रथम चरण का विधिवत शिलान्यास और भूमि पूजन किया

ह्लक्रीड़ा विश्वविद्यालय युवा खिलाड़ियों के सपनों को नई उड़ान देगा: सीएम धामी

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को हल्द्वानी के गौलापार स्थित अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम परिसर में उत्तराखंड राज्य क्रीड़ा विश्वविद्यालय के प्रथम चरण के निर्माण कार्यों का विधिवत शिलान्यास और भूमि पूजन किया। 43.50 करोड़ की लागत से होने वाले प्रथम चरण के निर्माण के साथ विश्वविद्यालय के प्रथम शैक्षणिक सत्र का भी शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेजर ध्यानचंद की जयंती पर हल्द्वानी से उत्तराखंड के खेल इतिहास में नया अध्याय जुड़ रहा है। क्रीड़ा विश्वविद्यालय प्रदेश के युवा खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय खेल शिक्षा, आधुनिक प्रशिक्षण और बेहतर अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य उत्तराखंड को देश के अग्रणी खेल राज्यों में शामिल करते हुए ह्यखेलभूमिह्ल के रूप में स्थापित करना है। उन्होंने हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनका जीवन अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणादायक मिसाल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक खेल शिक्षा और विशिष्ट प्रशिक्षण के लिए प्रदेश के खिलाड़ियों को दूसरे राज्यों का रुख करना पड़ता था, लेकिन क्रीड़ा विश्वविद्यालय बनने के बाद उन्हें अपनी ही देवभूमि में उच्च स्तरीय सुविधाएं मिल सकेंगी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को सम्मानित किया। वर्ष 2024 के लिए एथलेटिक्स की अंकिता को देवभूमि उत्तराखंड खेल रत्न पुरस्कार और एथलेटिक्स के लोकेश चौधरी को द्रोणाचार्य पुरस्कार दिया गया। वर्ष 2025 के लिए शूटिंग के अभिनव देशवाल को खेल रत्न पुरस्कार, क्याकिंग एवं कैनोइंग के मुकेश शर्मा को द्रोणाचार्य पुरस्कार तथा बॉक्सिंग के मुकेश चंद्र बेलवाल को लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार प्रदान किया गया।

दिव्यांग श्रेणी में शूटिंग के शौर्य सैनी को हिमालय रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मॉडर्न पेंटाथलॉन की टीम श्रेणी में सक्षम प्रताप सिंह एवं ममता खाती तथा बॉक्सिंग की एकल श्रेणी में खुशी चंद को भी सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय खेल दिवस पर एथलेटिक्स की अंकिता, बॉक्सिंग की खुशी चंद, हॉकी की मनीषा चौहान, वॉलीबॉल के रफीक अहमद, कबड्डी की भूमिका और राहुल सिंह, बैडमिंटन के चिराग बरेठा, मनोज सरकार व मनदीप कौर, मॉडर्न पेंटाथलॉन के सक्षम प्रताप सिंह, ब्लाइंड फुटबॉल की शेफाली रावत, पैरा लॉन बॉल की निलिमा राय तथा शूटिंग के आयार्वश त्यागी और भूमि को भी नकद पुरस्कार दिए गए। उत्कृष्ट प्रशिक्षकों में एथलेटिक्स कोच लोकेश कुमार, बॉक्सिंग कोच बिजेंद्र मल्ल, शूटिंग कोच अमित, वॉलीबॉल कोच गिरीश कुमार और कबड्डी कोच नितिन कुमार को पुरस्कृत किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना के तहत 8 से 14 वर्ष की आयु के खिलाड़ियों को मासिक खेल छात्रवृत्ति दी जा रही है। मुख्यमंत्री खिलाड़ी प्रोत्साहन योजना के माध्यम से 14 से 23 वर्ष के खिलाड़ियों को छात्रवृत्ति के साथ खेल उपकरण खरीदने के लिए आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही है।

नशा मुक्ति अभियान में नशे से दूर रहने पर दिया गया जोर

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। एमकेपी पीजी कॉलेज में नशा मुक्ति अभियान को लेकर आयोजित विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री डॉ.धनसिंह रावत ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने और युवाओं को नशे से दूर रखने को लेकर महत्वपूर्ण विचार-विमर्श किया गया। आगामी 100 दिनों तक पूरे प्रदेश में नशा मुक्ति अभियान के तहत विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। डॉ. रावत ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को नशे से दूर रहने एवं नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की शपथ दिलाई। साथ ही, नशा मुक्ति के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित मैराथन के विजेताओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया।

खडैरा श्मशान घाट जाने वाले मार्ग की हालत बद से बद्तर, नहीं सुधरे हालात, कोई सुनवाई नहीं हो रही, शर्मनाक स्थिति

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/बलदेव। बलदेव नगर से खडैरा घाट यमुना तट तक जाने वाले मुख्य मार्ग की बदहाली बद से बदतर होने से ग्रामीणों में भारी रोष है। खडैरा गांव में करीब 400 मीटर सड़क लंबे समय से दो फुट जलभराव, कीचड़ व गंदगी से जूझ रहे है। हाल ही में अग्रवाल समाज समिति के पूर्व अध्यक्ष सीताराम अग्रवाल की शवयात्रा में सैकड़ों लोग शामिल हुए। लोगों को घुटनों तक भरे गंदे पानी और कीचड़ के बीच अर्थी लेकर गुजरना पड़ा। दो बार अर्थी गिरने से बाल बाल बचीं। अर्थी लेकर जाने वाले लोगों को निकलना मुश्किल हो गया। वाहनों से जाने वाले लोगों की रफ्तार थम गई। काफी देर तक सभी लोग रुक गये जिला प्रशासन जनप्रतिनिधियों को लेकर सांसद तक सभी जगह भाजपा ही हैं, फिर भी हालात बेहद शर्मशार करने वाले हैं।

जनप्रतिनिधियों को कोसते हुए नजर आए। मरने वाले के साथ जाने वाले चैन से नहीं जा सकते हैं। मरने वाला भी इस मार्ग से हिलते डुलते हुए जाता है। युवा समाजसेवी सुजीत वर्मा ने कहा खडैरा घाट बलदेव क्षेत्र के दर्जनों गांवों का प्रमुख श्मशान स्थल है, वहां पहुंचने का यही मुख्य मार्ग है। सड़क नीचे होने तथा नालियों की सफाई नहीं होने से पानी सड़कों पर जलभराव हर समय वर्षों से भरा हुआ नजर आता है। कीचड़ व गड्ढों से पैदल निकलना भी मुश्किल है। कई लोग गिरकर चोटिल हो चुके हैं। राकेश गोयल,मदन पांडेय वैद्य,हरिओम अग्रवाल,आचार्य मनीष गगार्चार्य,देव अग्रवाल,चंद्रपाल देशवार, धरमू पहलवान ने कहा वर्षों से समस्या बनी हुई है, स्थायी समाधान आज तक नहीं हुआ। अंतिम यात्रा में भी लोगों को गंदे पानी से गुजरना पड़ा, जो बेहद शर्मनाक है। विधायक, सांसद, चेयरमैन, ब्लाक कार्यालय, एसडीएम, जिलाधिकारी से समाधान की मांग की। मन्नू पुजारी,नवीन वर्मा, करन अग्रवाल ने कहा वर्षों से हालात बद से बद्तर है कोई सुनवाई नहीं हो रही हैं, जलभराव व कीचड़ गंदगी-दुर्गंध से निकलना मुश्किल हो गया है। जिलाधिकारी से 400 मीटर सड़क ऊंची कराने, मरम्मत, नालों की सफाई और स्थायी जल निकासी व्यवस्था कराने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है अंतिम संस्कार जैसे संवेदनशील कार्य में लोगों को कीचड़ , गंदे पानी से न गुजरना पड़े, इसके लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाए जाएं।

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री ने यूरोलॉजी के अभ्यर्थियों को नियुक्ति-पत्र प्रदान किए

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। आज राजकीय दून मेडिकल कॉलेज एवं संबद्ध चिकित्सालय में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। कार्यक्रम के दौरान सुपर स्पेशियलिटी एमसीएच यूरोलॉजी के अभ्यर्थियों को स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल ने नियुक्ति-पत्र प्रदान किए गए तथा 12-बेड के नवीन कार्डियोलॉजी विंग एवं नवीन इमरजेंसी मेडिसिन वार्ड का शुभारंभ किया गया। उन्होंने कहा कि इन नई सुविधाओं के माध्यम से नागरिकों को बेहतर, सुलभ एवं आधुनिक विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।

जिला कारागार पर नागरिक सुरक्षा विभाग द्वारा रक्षाबंधन पर लगाया गया मीठे पानी का प्याऊ, उमस भरी गर्मी में बहनों को मिली राहत

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। भाई-बहन के पवित्र प्रेम और अटूट विश्वास के पावन पर्व रक्षाबंधन के अवसर पर आज मथुरा जिला कारागार के बाहर नागरिक सुरक्षा विभाग की ओर से मानवता और सेवा का अनूठा उदाहरण पेश किया गया। पर्व के इस खास मौके पर दूर-दराज से अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधने और जेल में बंद परिजनों से मिलने पहुंची हजारों माताओं और बहनों के लिए मीठे पानी का प्याऊ लगाया गया। यह सेवा कार्य उपनियंत्रक कश्मीर सिंह एवं सहायक उपनियंत्रक नीरज श्रीवास्तव के मार्गदर्शन तथा अधीक्षक, जिला कारागार, मथुरा अंशुमन ,डिवीजन वार्डन भारत भूषण तिवारी के नेतृत्व में वार्डन पोस्ट संख्या एक के अंतर्गत संपन्न हुआ। सावन के इस महीने में उमस भरी गर्मी और चिलचिलाती धूप के बीच जब बहनें लंबी कतारों में अपनी बारी का इंतजार कर रही थीं, तब इस शीतल जल के प्याऊ ने उन्हें बड़ी राहत पहुंचाई। सुबह से ही कारागार के मुख्य द्वार के बाहर इस प्याऊ पर पानी पीने वालों का तांता लगा रहा। इस मानवीय और सराहनीय पहल को सफल बनाने में नागरिक सुरक्षा विभाग के कई पदाधिकारी और स्वयंसेवक पूरे समर्पण के साथ जुटे रहे। इस दौरान वार्डन पोस्ट संख्या एक के पोस्ट वार्डन एवं मास्टर ट्रेनर्स अशोक यादव, शैलेश खंडेलवाल, सेक्टर वार्डन प्रमोद कुमार शर्मा, नरेंद्र कुमार मेहता, शैली अग्रवाल, राम दुलारी कुश, मुकर अग्रवाल,रवि पटेल, मुकेश तिवारी समेत अन्य सभी वार्डन और फायर फाइटर उपस्थित रहे, जिन्होंने अपने हाथों से कतार में खड़ी बहनों और आगंतुकों को ठंडा-मीठा पानी पिलाया। जेल में अपने भाइयों से मिलने आई बहनों ने नागरिक सुरक्षा विभाग की इस व्यवस्था की भूरी-भूरी प्रशंसा की। आगंतुकों का कहना था कि सफर की थकान और धूप में कतार में खड़े रहने के कारण गला सूख रहा था, ऐसे में कारागार के बाहर मीठे पानी की इस व्यवस्था से उन्हें बहुत सुकून मिला। इस सेवा कार्य ने रक्षाबंधन के पावन पर्व पर सामाजिक उत्तरदायित्व और सहृदयता का एक बेहद सुंदर संदेश दिया है।

मढ़ौरा में हमले के घायल चार लोग पहुंचे सीओ कार्यालय, दो बेहोश होकर गिरे

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। तहसील क्षेत्र के मढ़ौरा गांव में 27 अगस्त को हुए कथित हमले में घायल चार लोग शनिवार को सीओ कार्यालय पहुंचे। पीड़ितों का आरोप है कि पुलिस उन्हें एक्स-रे कराने के लिए अस्पताल नहीं ले गई, जिसके बाद वे अपनी शिकायत लेकर सीओ कार्यालय पहुंचे। यहां पहुंचते ही दो गंभीर घायल अचानक बेहोश होकर गिर पड़े। घायलों के बेहोश होने पर सीओ कार्यालय में मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्काल 108 एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोवर्धन पहुंचाया गया। चिकित्सक डॉ. नेहा चौधरी ने प्राथमिक उपचार के बाद चारों घायलों की गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल मथुरा रेफर कर दिया है। जिला अस्पताल में घायलों का उपचार जारी है। पीड़ितों ने मामले में कार्रवाई की मांग की है।

सीनियर से सब-जूनियर तक संत कबीर नगर का जलवा, बस्ती को हराकर मंडल में मारी बाजी

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। मौलाना आजाद इंटर कॉलेज खलीलाबाद में शुक्रवार को आयोजित मंडलीय बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस प्रतियोगिता में संत कबीर नगर के खिलाड़ियों ने अपना दबदबा कायम रखा।

जिला विद्यालय निरीक्षक के निर्देश पर आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्घाटन प्रधानाचार्य यूनुस अख्तर खान ने किया था। मंडलीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में संत कबीर नगर ने शानदार प्रदर्शन किया। सीनियर बालक वर्ग के एकल और डबल मुकाबले में संत कबीर नगर विजेता रहा और बस्ती उपविजेता रहा। इसी तरह जूनियर और सब-जूनियर बालक वर्ग में भी संत कबीर नगर ने जीत हासिल कर मंडल में अपना परचम लहराया।

वहीं मंडलीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता में सीनियर बालक वर्ग में संत कबीर नगर विजेता रहा। सीनियर बालिका, जूनियर बालिका और जूनियर बालक वर्ग के फाइनल में बस्ती विजेता रहा और संत कबीर नगर को उपविजेता से संतोष करना पड़ा। इससे पहले हुई जनपदीय प्रतियोगिता में बैडमिंटन और टेबल टेनिस दोनों में डीएवी इंटर कॉलेज मेंहदावल ने अपना दबदबा बनाए रखा। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य यूनुस अख्तर खान ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। संचालन जिला क्रीड़ा सचिव जोखू प्रसाद ने किया।

उजियार फिलिंग स्टेशन का भव्य उद्घाटन

करमा कोडरा क्षेत्र के किसानों को मिलेगी सुविधा

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। बस्ती जनपद के करमा कोड़रा पाण्डेय में उजियार फिलिंग स्टेशन का शनिवार को भव्य उद्घाटन संपन्न हुआ। इस दौरान काफी संख्या में लोग मौजूद रहे। करमा कोड़रा पाण्डेय स्थित उजियार फिलिंग स्टेशन का शनिवार को भव्य उद्घाटन किया गया। इस दौरान एजाज मुनीर ने बताया कि आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित इस फिलिंग स्टेशन के खुल जाने से अब करमा कोड़रा पाण्डेय और आसपास के लोगों को शुद्ध पेट्रोल व डीजल के लिये इधर उधर भटकना नहीं पड़ेगा। उत्तम क्वालिटी और उचित दाम और बेहतरीन सेवा यह हमारा उद्देश्य है। इस अवसर पर सपा नेता सुबोध यादव, जावेद अहमद, शोएब अहमद नदवी, कांग्रेस नेता अतीक सिद्दीकी, सुबोध यादव, रिजवान मुनीर, जावेद अहमद, मौलाना मुजीबुर्रहमान कासमी, मो. मोकर्रम, संजय सिंह, दानिश रहमान, सलीम अकबर, गुड्डू, वसीम अहमद, जफीर अली, जमाल अहमद, गुड्डू, नौशाद अहमद व जियाउद्दीन आदि मौजूद रहे।

सीएचसी सेमरियावां में एसडीएम का औचक निरीक्षण, आधा दर्जन कर्मचारी मिले अनुपस्थित

दवाओं की उपलब्धता, एक्स-रे मशीन और ब्लड सैंपल व्यवस्था का लिया जायजा, गैरहाजिर कर्मचारियों पर कार्रवाई के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरियावां में शनिवार दोपहर करीब 12 बजे उपजिलाधिकारी खलीलाबाद सदर हृदयराम तिवारी के औचक निरीक्षण से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। एसडीएम ने अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ कर्मचारियों की उपस्थिति भी जांची। इस दौरान करीब आधा दर्जन कर्मचारी अनुपस्थित मिले, जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई।

निरीक्षण के दौरान उपस्थिति रजिस्टर की जांच की गई। इसमें एएनएम इमराना खातून, एसटीएस देवव्रत लाल, स्टाफ नर्स विद्या सिंह और स्टाफ नर्स जानकी गुप्ता सहित करीब आधा दर्जन कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। एसडीएम ने कर्मचारियों की गैरहाजिरी को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। एसडीएम ने अस्पताल में उपलब्ध दवाओं और उनके रख-रखाव की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने जीवन रक्षक दवाओं की उपलब्धता, एक्स-रे मशीन की स्थिति तथा ब्लड सैंपल लेने और उससे जुड़ी व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। इसके अलावा स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही अन्य सुविधाओं की भी जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान अधिकांश व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। उपजिलाधिकारी हृदयराम तिवारी ने कहा कि निरीक्षण के दौरान कुछ कर्मचारी अनुपस्थित मिले हैं। उनकी अनुपस्थिति के संबंध में मुख्य चिकित्साधिकारी को अवगत कराया जाएगा और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। औचक निरीक्षण के दौरान राजस्व निरीक्षक राकेश श्रीवास्तव, डॉ. जावेद अख्तर अंसारी, फार्मासिस्ट अफजाल अहमद, आईओ कौसर खान सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

छात्र आयुष पांडेय का शव पहुंचते ही घर में मचा गया कोहराम

मामा की बेटी से रांखी बंधवाने खर्चा गांव जा रहा था

संतकबीरनगर (वेलकम इंडिया)। शुक्रवार को धनघटा थाना क्षेत्र के पौली के हुई सड़क दुर्घटना में ददरी गांव निवासी छात्र आयुष पांडेय की असमयिक मौत हो गई थी। पीएम के उपरांत आयुष पांडेय का शव घर पहुंचा। परिजनो में कोहराम मच गया। घर पर पहले से ही जुटी भारी भीड़ गम में डूब था। होनहार बेटे की मौत से जहां एक तरफ मां का रो-रो करके बुरा हाल है। वही पिता के दहाड़ मार कर रोने से वहां मौजूद हर किसी की आंखें नम हो गई। लोग एक दूसरे को संतावना देते रहे। लेकिन वह अपने आंसुओं को नहीं रोक पा रहे थे। ददरी गांव निवासी मृतक के पिता ब्रजेश पांडेय ने बताया कि उसका होनहार बेटा आयुष पांडेय डुमरी स्थित एक महाविद्यालय में पढता था। उसके पढ़ाई का खर्चा वह टेंपो चलाकर भरते थे। पढ़ाई के बाद नौकरी करने की चाहत में वह रात दिन मेहनत करता था। बुढ़ापे का वही सहारा था। घर की आर्थिक स्थिति सही नहीं है। इसीलिए वह टेंपो चलाकर बड़े बेटे आयुष और छोटे बेटे दीपक को पढ़ा लिखा कर कुछ बनाने का सपना सजोये थे। लेकिन उसकी एक न चाली। उसका बड़ा बेटा सड़क दुर्घटना मे काल के गाल में समा गया। यह कहकर वह दहाड़े मार कर रोने लगे। मां प्रेमा देवी बड़े बेटे का कापी किताब देखकर देखकर रो-रो कर बेहोश हो जा रही है प्रेमा ने बताया कि वह बेटों को पढ़ा लिखा कर अपने बुढ़ापे का सहारा बनना चाह रही थी। लेकिन नियत ने उसका सब कुछ बर्बाद कर दिया। वह रो-रो करके बेहोश हो रही थी नाते रिश्तेदार गांव के लोग मृतक के माता-पिता दोनों को सांत्वना दे रहे थे। उसका अंतिम संस्कार बिहार घाट पर कर दिया गया है। बृजेश पांडे ने बताया की घटना की तहरीर धनघटा थाने पर दे दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही हैं। घटना में शामिल कार को घनघटा पुलिस ने बरामद कर लिया है।

किसान की मौत के बाद सड़क पर आक्रोश

18 घंटे बाद अधिकारियों के आश्वासन से खुला रास्ता, शव पोस्टमार्टम को भेजा

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। ट्रांस शारदा क्षेत्र के शांतिनगर में बाघ के हमले में किसान मुंशी प्रसाद की मौत के गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने शव को रामनगर तिराहे पर रखकर सड़क जाम कर दी। करीब 18 घंटे तक मार्ग पर आवागमन बाधित रहा। ग्रामीणों का आरोप है कि घटना के बाद वन विभाग की ओर से समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, जिससे क्षेत्र में लगातार वन्यजीवों का खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों ने संपूर्णानगर रेंजर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने, क्षेत्र में बाघ की निगरानी बढ़ाने और ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। उनका कहना था कि बाघ की मौजूदगी को लेकर लंबे समय से ग्रामीणों में दहशत है। खेतों और आसपास के इलाकों में लगातार बाघ की गतिविधियां सामने आने के बावजूद वन विभाग की कार्रवाई को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। हाल में भी क्षेत्र में बाघ के सड़क किनारे दिखाई देने से लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। जाम की सूचना पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों और परिजनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े रहे। उनका कहना था कि जब तक वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई और परिवार को उचित मुआवजा दिलाने का भरोसा नहीं दिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।ग्रामीणों ने एसडीएम को ज्ञापन देकर अपनी मांगें रखीं। ज्ञापन में रेंजर के खिलाफ एफआईआर, मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता, क्षेत्र में बाघ को पकड़ने के लिए प्रभावी अभियान चलाने तथा गांवों में नियमित वन विभाग की गश्त बढ़ाने की मांग की गई। ग्रामीणों का कहना था कि खेतों में काम करने वाले किसानों और मजदूरों की सुरक्षा सबसे बड़ी चिंता बन गई है।लगातार जाम के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। राहगीरों और वाहन चालकों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। अधिकारियों के समझाने और कार्रवाई का भरोसा दिए जाने के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मुंशी प्रसाद की मौत ने इलाके में मानव-वन्यजीव संघर्ष की गंभीर स्थिति को फिर उजागर कर दिया है। ग्रामीणों का साफ कहना है कि अब केवल आश्वासन से काम नहीं चलेगा। बाघ को पकड़ने और लोगों की जान-माल की सुरक्षा के लिए वन विभाग को तत्काल ठोस कदम उठाने होंगे।

एसडीएम, तहसीलदार और सीओ ने ग्रामीणों को समझाया, मांगें मानने पर पोस्टमार्टम के लिए भेजा

बाघ के हमले में किसान मुंशी प्रसाद की मौत के बाद रामनगर तिराहे पर चल रहा ग्रामीणों का धरना-प्रदर्शन और सड़क जाम आखिरकार अधिकारियों के आश्वासन के बाद समाप्त हो गया। करीब 18 घंटे तक शव सड़क पर रखकर ग्रामीण अपनी मांगों को लेकर डटे रहे।मौके पर पहुंचे एसडीएम, तहसीलदार एवं सीओ ने परिजनों और ग्रामीणों से वार्ता कर उन्हें समझाया।अधिकारियों ने ग्रामीणों की मांगों पर कार्रवाई का भरोसा दिलाया। आश्वासन मिलने के बाद ग्रामीणों ने धरना समाप्त करने पर सहमति जताई।इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।धरना समाप्त होने के बाद मार्ग पर यातायात सुचारू हो सका और राहगीरों ने राहत की सांस ली। ग्रामीणों की मुख्य मांगों में संपूर्णानगर रेंजर के खिलाफ एफआईआर, मृतक के परिवार को उचित आर्थिक सहायता तथा क्षेत्र में बाघ के आतंक से निजात दिलाने के लिए प्रभावी कार्रवाई शामिल रही। अधिकारियों के आश्वासन के बाद फिलहाल मामला शांत हुआ है। वनविभाग ने बाघ को पकड़ने के लिए पिंजरा लगा कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

मदरसा के बच्चों ने भी खेल प्रतियोगिता में दिखाया दमखम

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। अफकार इंडिया फाउंडेशन के सौजन्य से विकासखंड क्षेत्र के गांव खंदरावली स्थित मदरसा अरबिया फकरुल उलूम में खेल दिवस मनाया गया। संस्था की टीम ने बच्चों को खेलों के शारीरिक व मानसिक लाभ बताए और छात्राओं को खेलों में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया।प्रतियोगिता में 100 मीटर दौड़ में 60 बच्चों ने हिस्सा लिया। इसके अलावा छात्राओं के बीच खो-खो प्रतियोगिता हुई, जिसमें सुल्तान जहां टीम विजेता रही। विजेता व प्रतिभागी बच्चों को ट्रॉफी और मेडल देकर और नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राहुल कुमार, यासमीन, आबिद मजीदी व वालेंटियर सिद्धार्थ के साथ प्रधानाचार्य दीवान खान, मौलाना इमरान कासमी व मदरसे के शिक्षक मौजूद रहे।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर विद्यार्थियों ने दिखाया दमखम, मेजर ध्यानचंद को किया गया याद

पूरनपुर/पीलीभीत (वेलकम इंडिया)। आरएसआरडी सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, पूरनपुर में शनिवार को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर महान हॉकी खिलाड़ी एवं 'हॉकी के जादूगर' मेजर ध्यानचंद की जयंती उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों के साथ शिक्षकों ने भी उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ आचार्य मोहित अवस्थी एवं शिवनारायण मिश्रा ने मेजर ध्यानचंद के जीवन, संघर्ष और खेल उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को खेलों के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए ही आवश्यक नहीं हैं, बल्कि इनके माध्यम से अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सहयोग की भावना का भी विकास होता है। विद्यार्थियों से प्रत्येक प्रतियोगिता को खेल भावना के साथ खेलने का आह्वान किया गया।कार्यक्रम संयोजक एवं विद्यालय के शारीरिक प्रमुख निर्दोष के निर्देशन में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं कराई गईं। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।इस दौरान विद्यार्थियों को बताया गया कि मेजर ध्यानचंद का जन्म 29 अगस्त 1905 को इलाहाबाद में हुआ था। उन्होंने 1928 एम्सटर्डम, 1932 लॉस एंजेलिस और 1936 बर्लिन ओलंपिक में भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी असाधारण हॉकी प्रतिभा के कारण उन्हें ह्यहॉकी का जादूगरह्न कहा जाता है। उनका निधन 3 दिसंबर 1979 को नई दिल्ली में हुआ। उनकी जयंती को देशभर में राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है।कक्षा नौ के छात्र जोबन सिंह ने भी मेजर ध्यानचंद के जीवन से जुड़ी रोचक जानकारियां साझा कीं और विद्यार्थियों को खेल गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।विद्यालय के प्रधानाचार्य सौरभ वार्ष्णेय ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से खेल और व्यायाम को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। प्रबंधक हर्ष गुप्ता ने भी विद्यार्थियों को अनुशासनपूर्ण जीवन जीने और खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

घोड़ा घर के बाहर पहुंचने को लेकर दो पक्षों में मारपीट, दो व्यक्ति घायल

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव गंगेरू में घोड़ा घर के बाहर पहुंचने को लेकर दो पड़ोसियों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। घटना में दोनों लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों का मेडिकल परीक्षण कराने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के गंगेरू निवासी समीर और अकरम पड़ोसी हैं। आरोप है कि अकरम का घोड़ा खुलकर समीर के घर के बाहर पहुंच गया और वहां हुड़दंग करने लगा। समीर ने इसका विरोध किया तो दोनों के बीच कहासुनी हो गई। इसके बाद मामला मारपीट तक पहुंच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया। दोनों पक्षों की ओर से तहरीर दी गई है। वहीं, कस्बे के मोहल्ला रायजादगान निवासी सोमपाल ने अपने भाई और भाभी पर मारपीट कर घायल करने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की है। थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने बताया कि तहरीर प्राप्त हुई है। मामलों की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

सियासत में बड़ा उलटफेर ! रत्नेश गंगवार पत्नी प्रियंका समेत हजारों समर्थकों के साथ सपा में हुए शामिल

पीलीभीत (वेलकम इंडिया)। समाजवादी पार्टी ने संगठन विस्तार की दिशा में एक और बड़ा कदम बढ़ाया है। पूर्व ब्लॉक प्रमुख रत्नेश गंगवार ने अपनी पत्नी एवं जिला पंचायत सदस्य प्रियंका गंगवार तथा हजारों समर्थकों के साथ समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। राजधानी लखनऊ में हुए इस राजनीतिक जुड़ाव को क्षेत्र की राजनीति में महत्वपूर्ण घटनाक्रम के तौर पर देखा जा रहा है।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के नेतृत्व और नीतियों से प्रभावित होकर रत्नेश गंगवार ने समर्थकों के साथ सपा का दामन थामा। सदस्यता ग्रहण के दौरान बड़ी संख्या में समर्थकों की मौजूदगी ने इस कार्यक्रम को खास बना दिया। उनके पार्टी में शामिल होने से सपा को जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने में मदद मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।इस अवसर पर अखिलेश यादव ने रत्नेश गंगवार, उनकी पत्नी प्रियंका गंगवार और उनके साथ समाजवादी पार्टी में शामिल हुए सभी समर्थकों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि नए साथियों के जुड़ने से पार्टी संगठन को मजबूती मिलेगी। साथ ही समाजवादी विचारधारा और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में भी सहयोग मिलेगा।सपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद रत्नेश गंगवार ने कहा कि वह अखिलेश यादव के नेतृत्व और समाजवादी पार्टी की विचारधारा से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों के सम्मान, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूती के लिए वह पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने अपने समर्थकों से भी पार्टी को मजबूत करने के लिए पूरी सक्रियता के साथ जुटने का आह्वान किया।रत्नेश गंगवार के साथ बड़ी संख्या में समर्थकों के सपा में शामिल होने से पार्टी कार्यकताओं में भी उत्साह दिखाई दिया। पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने इसे संगठन के लिए सकारात्मक संकेत बताया। हजारों समर्थकों के साथ हुआ यह राजनीतिक जुड़ाव आने वाले समय में क्षेत्र की सियासत में नए समीकरणों को जन्म दे सकता है।समाजवादी पार्टी के प्रेस एवं मीडिया प्रकोष्ठ की ओर से जारी विज्ञप्ति में इस सदस्यता ग्रहण को पार्टी के संगठनात्मक विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया।

बारिश में गांवों के आसपास बढ़ी तेंदुओं की हलचल, बाघ मित्रों को किया गया सतर्क

मानव-वन्यजीव संघर्ष रोकने को क्षेत्रवार जागरूकता अभियान चलाने पर जोर

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। पीलीभीत टाइगर रिजर्व में मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं की रोकथाम और संघर्ष प्रबंधन में बाघ मित्र कार्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बाघ मित्रों को सक्रिय और सतर्क बनाए रखने के साथ कार्यक्रम को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से डब्ल्यूडब्ल्यूएफ की ओर से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रभागीय वनाधिकारी मनीष सिंह ने की।बैठक में पीलीभीत टाइगर रिजर्व के आसपास के क्षेत्रों के साथ उत्तर खीरी वन प्रभाग और तराई पूर्वी वन प्रभाग, उत्तराखंड में सामने आ रही मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके अलावा सामाजिक वानिकी क्षेत्र में विचरण कर रहे तेंदुओं की गतिविधियों, क्षतिग्रस्त तारबाड़, टाइगर रिजर्व के आसपास संचालित बूचड़खानों, मृत पशुओं के निस्तारण स्थलों और मुर्गी फार्मों की स्थिति की समीक्षा की गई।अधिकारियों ने वन्यजीव रेस्क्यू टीम के घटनास्थल पर पहुंचने की समय-सीमा को और बेहतर करने पर जोर दिया। वन मार्गों पर बंदरों को खाद्य सामग्री खिलाने से लोगों को रोकने, टाइगर रिजर्व के आसपास के गांवों में लगाई गई स्ट्रीट लाइटों की स्थिति और उनकी उपयोगिता की भी समीक्षा की गई।बैठक में बताया गया कि वर्तमान में खेतों में पानी भरा होने के कारण तेंदुओं की गतिविधियां गांवों के आसपास बढ़ गई हैं। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष सतर्कता और जागरूकता की जरूरत है। बाघ मित्रों को सक्रिय भूमिका निभाते हुए ग्रामीणों को वन्यजीवों से दूरी बनाए रखने और किसी भी वन्यजीव की मौजूदगी की सूचना तत्काल वन विभाग को देने के लिए जागरूक करने के निर्देश दिए गए।मानव- वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को न्यूनतम करने के लिए बाघ मित्रों की छोटी-छोटी टीमें गठित कर क्षेत्रवार बैठकें और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इन कार्यक्रमों में ग्रामीणों को वर्षा ऋतु के दौरान वन्यजीवों से बचाव के उपायों की जानकारी दी जाएगी। बैठक में डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के परियोजना अधिकारी और बाघ मित्रों ने भाग लिया। सभी ने आपसी समन्वय के साथ मानव- वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम के लिए प्रभावी ढंग से कार्य करने का संकल्प लिया।

भारत-नेपाल सीमा पर पुलिस और एसएसबी की संयुक्त गश्त

सीमा क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर, अवैध आवागमन और तस्करी रोकने के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। भारत- नेपाल सीमा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के उद्देश्य से शनिवार को थाना हजारा पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की संयुक्त टीम ने सीमा क्षेत्र में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी पूरनपुर विधि भूषण मौर्य के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने सीमा क्षेत्र में पहुंचकर निगरानी की।संयुक्त टीम ने भारत-नेपाल सीमा पर स्थित खम्भा नंबर 34 के आसपास के क्षेत्रों में पैदल गश्त की। इस दौरान सीमा क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया गया। सीमा पर आने-जाने वाले लोगों और वाहनों पर विशेष नजर रखी गई। टीम ने संदिग्ध व्यक्तियों और वस्तुओं की चेकिंग करते हुए सुरक्षा व्यवस्था को परखा। अधिकारियों ने सीमा क्षेत्र में तैनात पुलिस और एसएसबी जवानों को लगातार सतर्क एवं मुस्तैद रहकर ड्यूटी करने के निर्देश दिए। क्षेत्राधिकारी ने कहा कि सीमा क्षेत्र में किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि को नजरअंदाज न किया जाए।

संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों और वस्तुओं पर विशेष निगरानी रखते हुए आवश्यकता पड़ने पर तत्काल जांच की जाए।संयुक्त टीम को अवैध आवागमन और तस्करी पर प्रभावी रोकथाम सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि सीमा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। यदि किसी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि सामने आती है तो इसकी सूचना तत्काल उच्चाधिकारियों को दी जाए। क्षेत्राधिकारी पूरनपुर ने थाना हजारा पुलिस और एसएसबी के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने सीमा क्षेत्र में नियमित रूप से संयुक्त गश्त और निगरानी जारी रखने के निर्देश दिए, ताकि भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनी रहे और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

पंजीकृत श्रमिकों की फैमिली आईडी के लिए कैंप

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। श्रम विभाग शामली की ओर से ग्राम पंचायत गंगेरू में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों की फैमिली आईडी बनवाने के लिए विशेष कैंप लगाया गया। कैंप में श्रमिकों को फैमिली आईडी के महत्व और बनाने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई।श्रम विभाग से जुड़े गुलजार अंसारी ने बताया कि नगर एवं ब्लॉक क्षेत्र के 793 पंजीकृत निर्माण श्रमिकों की फैमिली आईडी बनाई जानी है। फैमिली आईडी बनने से श्रमिकों और उनके परिवारों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने में सुविधा होगी। विभाग ने श्रमिकों से नजदीकी जनसेवा केंद्र पर पहुंचकर फैमिली आईडी बनवाने की अपील की। इस दौरान कई लोग कैंप में मौजूद रहे।

नफीस एजेंसी बंद, उपभोक्ताओं पर बढ़ा परेशानी का बोझ, हजारों परिवारों ने जल्द संचालन शुरू कराने की मांग की

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती

पूरनपुर/पीलीभीत। शेरपुर कला में स्थित नफीस इंडियन गैस एजेंसी के बंद होने से इससे जुड़े गैस उपभोक्ताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि अधिकारियों द्वारा किसी कारणवश एजेंसी का संचालन बंद कर दिया गया है। इसके बाद एजेंसी से जुड़े उपभोक्ताओं को पूरनपुर, माला, पिपरिया दुलई समेत अन्य गैस एजेंसियों से सिलेंडर लेने के लिए भेजा जा रहा है।नफीस इंडियन गैस एजेंसी से कनेक्शन लेने वाले ग्रामीणों का कहना है कि दूसरी एजेंसियों से गैस सिलेंडर लेने के लिए उन्हें लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है। इससे आने-जाने में समय और अतिरिक्त खर्च दोनों बढ़ गए हैं। वहीं, दूसरी एजेंसियों पर भी उपभोक्ताओं की संख्या बढ़ने से उन्हें इंतजार और अन्य दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीण उपभोक्ताओं ने बताया कि घरेलू गैस सिलेंडर रोजमर्रा की जरूरत है। एजेंसी बंद होने से सबसे अधिक परेशानी ग्रामीण परिवारों को हो रही है। उपभोक्ताओं ने संबंधित अधिकारियों से मामले का शीघ्र समाधान कराने और नफीस इंडियन गैस एजेंसी का संचालन दोबारा शुरू कराने की मांग की है।ग्रामीणों का कहना है कि यदि एजेंसी जल्द शुरू हो जाती है तो आसपास के गांवों के उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी और उन्हें दूसरी एजेंसियों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उपभोक्ताओं ने अधिकारियों से उनकी समस्या को गंभीरता से लेते हुए जल्द सकारात्मक कार्रवाई की उम्मीद जताई है। नफीस इंडियन गैस एजेंसी बंद होने से हम उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर लेने के लिए काफी दूर जाना पड़ रहा है। दूसरी एजेंसियों पर भीड़ होने के कारण समय और आने-जाने का खर्च बढ़ रहा है। अधिकारियों से हमारी मांग है कि उपभोक्ताओं की परेशानी को देखते हुए नफीस इंडियन गैस एजेंसी का संचालन जल्द शुरू कराया जाए।

-उपभोक्ता संजय भारती

हमने नफीस इंडियन गैस एजेंसी से कनेक्शन ले रखा है, लेकिन एजेंसी बंद होने के कारण गैस लेने में भारी दिक्कत हो रही है। अब हमें पूरनपुर, माला, पिपरिया दुलई आदि एजेंसियों से गैस लेने के लिए जाना पड़ रहा है। प्रशासन को उपभोक्ताओं की समस्या का संज्ञान लेकर जल्द समाधान कराना चाहिए।

-उपभोक्ता सलमान खान

गैस एजेंसी बंद होने का सीधा असर आम उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है। खासकर ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को सिलेंडर लेने के लिए दूर-दराज की एजेंसियों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। इससे समय और पैसा दोनों बर्बाद हो रहे हैं। हमारी अधिकारियों से अपील है कि नफीस इंडियन गैस एजेंसी को शीघ्र चालू कराया जाए।

-उपभोक्ता जीशान रजा

नफीस इंडियन गैस एजेंसी से जुड़े हजारों उपभोक्ता इस समय परेशान हैं। अपनी ही एजेंसी बंद होने के कारण दूसरी एजेंसियों से गैस लेने में काफी असुविधा हो रही है। कई लोगों को लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है। संबंधित अधिकारियों को उपभोक्ताओं की परेशानी को गंभीरता से लेते हुए एजेंसी जल्द शुरू कराने की पहल करनी चाहिए।

-उपभोक्ता दिलशाद खान

दहेज में कार की मांग पूरी न होने पर महिला से उत्पीड़न का आरोप

कांधला (वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने पति और जेठ पर दहेज में कार की मांग पूरी न होने पर उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि दोनों उसे अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी भी दे रहे हैं। पीड़िता ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। शनिवार को थाना क्षेत्र के गांव निवासी महिला ने बताया कि उसकी शादी करीब 17 वर्ष पूर्व हुई थी। वह चार बच्चों की मां है। आरोप है कि पति और जेठ लगातार दहेज में कार की मांग कर रहे हैं। मांग पूरी नहीं होने पर उसके साथ शारीरिक और मानसिक रूप से उत्पीड़न किया जा रहा है। महिला ने आरोप लगाया कि दोनों उसे अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देने के साथ ही उसके भाई को गोली मारने की धमकी भी दे रहे हैं। इससे वह और उसका परिवार भयभीत है। पीड़िता ने पुलिस से मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।थाना प्रभारी बच्चू सिंह ने बताया कि महिला की तहरीर प्राप्त हुई है। मामले की जांच की जा रही है। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

फर्जी आईडी पर जियो सिम एक्टिवेट कर साइबर ठगों को बेचने वाले दो शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। जनपद बुलन्दशहर में साइबर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना साइबर क्राइम पुलिस टीम ने फर्जी आईडी पर सिम कार्ड एक्टिवेट कर साइबर ठगों को बेचने वाले दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से 03 मोबाइल फोन, जियो कम्पनी के 33 नए सिम कार्ड, 01 आधार कार्ड तथा 01 पैन कार्ड बरामद किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलन्दशहर के आदेश एवं पुलिस अधीक्षक अपराध के निर्देशन में साइबर अपराध के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना साइबर क्राइम पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0 28/2026, धारा 318(4), 61(2) बीएनएस एवं 66डी आईटी एक्ट में वांछित अभियुक्तों की तलाश एवं विवेचनात्मक कार्यवाही के दौरान दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। विवेचना के दौरान अभियुक्त इस्माईल एवं रूबैद के नाम प्रकाश में आए। जांच में सामने आया कि दोनों अभियुक्त बड़े पैमाने पर लोगों के नाम पर धोखाधड़ी कर सिम कार्ड एक्टिवेट कराते थे और उन्हें साइबर धोखाधड़ी में संलिप्त अपराधियों को बेचते थे। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में अभियुक्त इस्माईल ने बताया कि वह जियो कम्पनी का पीओएस एजेंट है। वह कम्पनी कर्मचारी राशिद के माध्यम से डिस्ट्रीब्यूटर से नई सिम प्राप्त कर अभियुक्त रूबैद को उपलब्ध कराता था। इसके बाद रूबैद उक्त सिम कार्ड शादाब उर्फ बिट्टू को देता था। शादाब उर्फ बिट्टू आम जनता को धोखा देकर उनकी आईडी पर सिम कार्ड एक्टिवेट कराता था और बाद में इन सिम कार्डों को साइबर धोखाधड़ी करने वाले अपराधियों को बेच देता था। पुलिस के मुताबिक, प्रत्येक सिम कार्ड के बदले शादाब उर्फ बिट्टू द्वारा रूबैद को 600 रुपये, रूबैद द्वारा इस्माईल को 450 रुपये तथा इस्माईल द्वारा डिस्ट्रीब्यूटर को 220 रुपये लीगल फीस के रूप में दिए जाते थे। अभियुक्तों ने पूछताछ में अब तक 150 से अधिक सिम कार्ड इसी प्रकार एक्टिवेट कर बेचने की बात बताई है। अभियुक्तों के मोबाइल फोन की व्हाट्सऐप चैट से 142 मोबाइल नंबरों का विवरण भी प्राप्त हुआ है, जिसकी पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

नरौरा पब्लिक स्कूल के लिए गौरव का क्षण: छात्रों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से की भेंट

वेलकम इंडिया संवाददाता

रामघाट/बुलंदशहर। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर नरौरा पब्लिक स्कूल, राजघाट रोड, डिबाई के लिए एक अविस्मरणीय और गौरवपूर्ण क्षण आया जब विद्यालय के विद्यार्थियों को भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से भेंट करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। राष्ट्रपति भवन में हुई इस विशेष मुलाकात के दौरान बच्चों ने राष्ट्रपति जी को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं और उनके साथ अपने अनुभव साझा किए। यह अवसर पूरे विद्यालय परिवार के लिए अत्यंत सम्मान, हर्ष और गर्व का विषय बना। इस गौरवपूर्ण अवसर पर विद्यालय की चेयरपर्सन पूनम पाराशर एवं डायरेक्टर मनोज पाराशर की उपस्थिति और मार्गदर्शन ने इस क्षण को और भी विशेष बना दिया। राष्ट्रपति से यह मुलाकात विद्यार्थियों के लिए जीवनभर की अनमोल स्मृति और प्रेरणादायी अनुभव रहेगी। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि ऐसे अवसर बच्चों में देशभक्ति, आत्मविश्वास और अपने सपनों को साकार करने का उत्साह जगाते हैं।

श्रावण पूर्णिमा पर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भगवानपुर गंगा घाट पर किया स्नान

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुगरासी। श्रावण माह की पूर्णिमा के अवसर पर शुक्रवार को सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भगवानपुर गंगा घाट पर गंगा स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया। सुबह से ही गंगा स्नान का सिलसिला शुरू हो गया था। श्रद्धालु सूर्योदय से पहले ही घाट पर पहुंच गए और ह्यहर-हर गंगेह्व के जयघोष के साथ गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। गंगा स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने तट पर पुरोहितों के माध्यम से यज्ञ, हवन सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान कराए। मनोकामना पूर्ण होने पर कई श्रद्धालुओं ने भगवान सत्यनारायण की कथा का श्रवण किया तथा ब्राह्मणों और जरूरतमंदों को दक्षिणा एवं अन्य वस्तुओं का दान किया। रक्षाबंधन पर्व के कारण श्रावण पूर्णिमा का धार्मिक महत्व और भी बढ़ गया। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के लिए बुगरासी चौकी प्रभारी नीटू मलिक पुलिस बल के साथ घाटों पर गश्त करते नजर आए।

गैंगस्टर एक्ट मामले में तीन आरोपित दोषमुक्त

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। गैंगस्टर एक्ट के मामले में तीन आरोपितों को अदालत से बड़ी राहत मिली है। विशेष न्यायाधीश (गैंगस्टर एक्ट) सुशील कुमार खरवार की अदालत ने नारायणपुर, लंका निवासी मुन्नू तिवारी, त्रिपुरा भैरवी, दशाश्वमेध निवासी महेश पुरोहित और हड़हा सराय चौक निवासी सानू उर्फ नाजिम को मुकदमे की सुनवाई के दौरान आरोप सिद्ध न होने पर संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया। आरोपित मुन्नू तिवारी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अनुज यादव ने अदालत में पक्ष रखा।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, आठ फरवरी 2008 को तत्कालीन लक्सा थाना प्रभारी अशोक कुमार सिंह पुलिसकर्मियों के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि पार्षद विजय वर्मा की हत्या के मामले में आरोपित संतोष गुप्ता उर्फ कित्तुल, लालू वर्मा, सुरेंद्र पांडेय, सानू उर्फ नाजिम, महेश पुरोहित और मुन्नू तिवारी शातिर अपराधी हैं और उन्होंने अपना गिरोह बना रखा है। आरोप था कि गिरोह के सदस्य हत्या, हत्या के प्रयास, लूट समेत विभिन्न आपराधिक घटनाओं को अंजाम देकर अपने और गिरोह के सदस्यों के आर्थिक व भौतिक लाभ के लिए काम करते हैं। इनके खिलाफ वाराणसी, भदोही, चंदौली समेत विभिन्न जिलों में आपराधिक मामले दर्ज होने का भी अभियोजन ने उल्लेख किया था। जिलाधिकारी की संस्तुति के बाद सभी के खिलाफ लक्सा थाने में गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

मुकदमे की सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष की ओर से दलील दी गई कि गैंगचार्ट में केवल दो मुकदमों का उल्लेख किया गया है और आरोपित पहले ही उन मामलों में दोषमुक्त हो चुके हैं। बचाव पक्ष ने यह भी कहा कि आरोपितों के खिलाफ ऐसा कोई ठोस साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया, जिससे गैंगस्टर एक्ट के तहत आरोप साबित हो सके। अदालत ने पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद माना कि अभियोजन पक्ष आरोपितों के खिलाफ लगाए गए आरोपों को साबित करने में सफल नहीं रहा। इसके बाद अदालत ने मुन्नू तिवारी, महेश पुरोहित और सानू उर्फ नाजिम को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया।

अपर पुलिस अधीक्षक नगर ने मिशन शक्ति केंद्र का किया निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलन्दशहर। अपर पुलिस अधीक्षक नगर अभिषेक प्रताप अजेय द्वारा थाना कोतवाली देहात स्थित मिशन शक्ति केंद्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर ने मिशन शक्ति केंद्र पर उपलब्ध अभिलेखों का अवलोकन किया तथा महिलाओं एवं बालिकाओं से संबंधित शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होंने मिशन शक्ति केंद्र पर नियुक्त पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया कि महिलाओं एवं बालिकाओं की शिकायतों को पूरी संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ सुना जाए तथा उनका त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, महिलाओं एवं बालिकाओं को मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत उपलब्ध विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं, सहायता के माध्यमों एवं उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर अग्रसेन कन्या पीजी कॉलेज में छात्राओं ने दिखाया खेल उत्साह

खेल से व्यक्तित्व, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का होता है विकास: प्रो. मिथिलेश सिंह

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। श्री अग्रसेन कन्या पीजी कॉलेज के परमानंदपुर परिसर में शनिवार को राष्ट्रीय खेल दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कॉलेज की क्रीड़ा परिषद की ओर से छात्राओं में खेल भावना, अनुशासन, स्वास्थ्य और टीम भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न खेल गतिविधियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. मिथिलेश सिंह ने किया। छात्राओं को संबोधित करते हुए प्रो. मिथिलेश सिंह ने कहा कि खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी नहीं हैं, बल्कि इनके माध्यम से व्यक्तित्व निर्माण, आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का भी विकास होता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस शिक्षा के साथ खेलों को भी जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संदेश देता है। खेलों में निरंतर अभ्यास, धैर्य और लक्ष्य के प्रति समर्पण सफलता की कुंजी है। उन्होंने महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके अद्भुत खेल कौशल, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति समर्पण को युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया। गृह विज्ञान विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. अनीता सिंह ने कहा कि खेल जीवन में संतुलन, अनुशासन और सकारात्मक सोच विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं। खेल विद्यार्थियों को चुनौतियों का सामना करने, असफलताओं से सीखने और लगातार आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में विद्यार्थियों के लिए शारीरिक सक्रियता उतनी ही जरूरी है जितनी शैक्षणिक उपलब्धि। क्रीड़ा सचिव डॉ. नंदिनी पटेल ने मेजर ध्यानचंद को नमन करते हुए कहा कि 29 अगस्त का दिन राष्ट्रीय खेल दिवस के साथ-साथ भारतीय हॉकी के महानायक मेजर ध्यानचंद की जयंती के कारण भी विशेष महत्व रखता है। उन्होंने अपने खेल कौशल, अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रप्रेम से भारत का गौरव विश्व स्तर पर बढ़ाया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं और गतिविधियों में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्राओं ने खेल भावना और टीम भावना के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर प्रो. आभा सक्सेना, डॉ. सुमन सिंह, डॉ. सरला सिंह, डॉ. श्रृंखला, डॉ. बंदनी, डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी सहित अनेक प्राध्यापक और छात्राएं उपस्थित रहीं।

सैनिक कल्याण कार्यालय मुजफ्फरपुर ने दिव्यांगजनों के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए शांति मुकुल सम्मानित

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

मुजफ्फरपुर/वाराणसी। समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय और दिव्यांगजनों के कल्याण एवं सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रहे समाजसेवी शांति मुकुल को जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, मुजफ्फरपुर की ओर से विशेष प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान दिव्यांगजनों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने और उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में किए जा रहे उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रदान किया गया है।

जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, संयुक्त भवन मुजफ्फरपुर के जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारी विंग कमांडर उमेन्द्र कुमार त्रिपाठी (अ.प्रा.) ने यह प्रशस्ति-पत्र जारी किया। इसमें शांति मुकुल के सेवा-भाव, संवेदनशीलता और दिव्यांगजनों के प्रति समर्पण की विशेष सराहना की गई है। प्रशस्ति-पत्र में कहा गया कि दिव्यांगजनों के हित और कल्याण के लिए किए जा रहे उनके कार्य समाज में समावेशिता, समान अवसर और मानवीय गरिमा की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उनके प्रयास न केवल प्रशंसनीय हैं, बल्कि समाज के अन्य वर्गों को भी सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए प्रेरित करते हैं। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय ने शांति मुकुल के सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और निरंतर सामाजिक योगदान के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यालय की ओर से कहा गया कि दिव्यांगजनों के हित में संवेदनशीलता और समर्पण के साथ किया जा रहा कार्य समाज को अधिक समावेशी और समान अवसरों वाला बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सम्मान मिलने पर शांति मुकुल के सामाजिक कार्यों से जुड़े लोगों ने भी प्रसन्नता व्यक्त की और इसे दिव्यांगजनों के लिए किए जा रहे सेवा कार्यों के प्रति प्रोत्साहन बताया।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर साई लखनऊ में 'खेलो इंडिया योजना 2026-31' की रूपरेखा प्रस्तुत

युवा प्रतिभाओं को निखारने और खेलों का मजबूत आधार तैयार करने पर जोर, ओलंपियन ललित उपाध्याय ने साझा किए अनुभव

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

लखनऊ/वाराणसी। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर भारतीय खेल प्राधिकरण (साई), नेताजी सुभाष क्षेत्रीय केंद्र (एनएसआरसी), लखनऊ की ओर से शांति नगर, कानपुर रोड स्थित परिसर में 'खेलो इंडिया योजना 2026-31' को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में योजना के आगामी चरण की रूपरेखा, उद्देश्यों और प्रमुख प्रावधानों की जानकारी दी गई। साथ ही युवा खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस को साई एनएसआरसी लखनऊ के क्षेत्रीय निदेशक (प्रभारी) आत्मप्रकाश ने संबोधित किया। उन्होंने वर्ष 2026-31 के लिए खेलो इंडिया योजना की परिकल्पना और प्रमुख लक्ष्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि योजना का उद्देश्य देश के खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना, जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं की पहचान करना और उन्हें उच्च स्तर तक पहुंचाने के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम में पूर्व भारतीय हॉकी खिलाड़ी, ओलंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता ललित उपाध्याय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने अपने खेल जीवन के अनुभव साझा करते हुए युवा खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, बेहतर खेल सुविधाओं और संस्थागत सहयोग के महत्व से अवगत कराया। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को पुष्पांजलि अर्पित कर उनके भारतीय खेलों में योगदान को याद किया गया। इसके बाद साई एनएसआरसी के खिलाड़ियों के बीच हॉकी प्रदर्शनी मैच हुआ। युवा खिलाड़ियों ने मैच में अपनी प्रतिभा, अनुशासन और खेल भावना का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों और साई अधिकारियों के बीच मैत्रीपूर्ण हॉकी मैच भी आयोजित किया गया। इस मुकाबले ने पत्रकारों और अधिकारियों को खेल के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़ने और संवाद बढ़ाने का अवसर दिया। प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद प्रश्नोत्तर सत्र में पत्रकारों ने खेलो इंडिया योजना 2026-31 के क्रियान्वयन, खिलाड़ियों के विकास तथा उत्तर प्रदेश सहित देशभर में योजना के संभावित प्रभाव से जुड़े विभिन्न विषयों पर अधिकारियों से सवाल किए। कार्यक्रम के समापन पर पत्रकारों, अधिकारियों और अतिथियों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। साई एनएसआरसी के क्षेत्रीय निदेशक (प्रभारी) आत्मप्रकाश, लेफ्टिनेंट कर्नल गौरव सिंह, निदेशक मनीष कुमार और सहायक निदेशक ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में जुटी टीम के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम ने खेलो इंडिया के माध्यम से जमीनी स्तर पर खेल विकास को मजबूत करने और देश की युवा खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने की दिशा में साई की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

नेपाल में आए भीषण बाढ़ में मृतकों के आत्मा के शांति के लिए किया गया शांति पाठ

वेलकम इंडिया/संदीप तिवारी

वाराणसी/मिजार्मुराद। नेपाल में आए भीषण बाढ़ में मृतकों के आत्मा के शांति के लिए किया गया शांति पाठ पंडित अवशेष पांडेय (कल्लू महाराज) उपमहंत प्रमुख मंदिर काशी के सानिध्य में सावन के पूर्णिमा रक्षाबंधन के पर्व पर काशी में विराजमान काशिकापुराधीश्वरी भगवती माँ अन्नपूर्णा माता का किया गया। विशेष हरियाली झूला श्रृंगार ये श्रृंगार श्री श्रीयंत्र पीठम समिति द्वारा विश्व के कल्याण के कामना से किया गया। भगवती का विशेष अलंकार झूला श्रृंगार मां अन्नपूर्णा माता की कृपा आप सभी पर बनी रहे भगवती आप सभी के मनोरथ सिद्ध करे।

रक्षाबंधन के पावन अवसर पर राष्ट्रपति भवन में विद्यालय के चार मेधावी विद्यार्थियों की राष्ट्रपति से भेंट

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर विद्यालय के लिए एक अत्यंत गौरवपूर्ण एवं अविस्मरणीय क्षण आया, जब कक्षा 10 के चार मेधावी विद्यार्थियों अभिराज, कामिका, प्रखर एवं अवनी को राष्ट्रपति भवन में भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी से मिलने का सुअवसर प्राप्त हुआ।

विद्यार्थियों ने माननीय राष्ट्रपति जी से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। यह अवसर विद्यार्थियों के लिए न केवल प्रेरणादायी रहा, बल्कि पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व एवं हर्ष का विषय बना। अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के माध्यम से इन विद्यार्थियों ने विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। राष्ट्रपति जी से प्रत्यक्ष भेंट और उनका आशीर्वाद विद्यार्थियों के जीवन की एक अविस्मरणीय स्मृति बन गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य वी. के. राणा एवं उप-प्रधानाचार्या डॉ. गुरमीत गुप्ता ने विद्यार्थियों के साथ उपस्थित रहकर उनका उत्साहवर्धन किया। विद्यालय प्रबंधन ने भी विद्यार्थियों की इस विशिष्ट उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि विद्यार्थियों की यह उपलब्धि उनकी मेहनत, लगन, अनुशासन एवं उत्कृष्ट प्रतिभा का परिणाम है। यह सम्मान न केवल इन चारों विद्यार्थियों के लिए, बल्कि सम्पूर्ण विद्यालय के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

रक्षाबंधन जैसे पावन पर्व पर राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति जी का आशीर्वाद प्राप्त करना इन विद्यार्थियों के लिए सचमुच गर्व, सम्मान और जीवनभर संजोकर रखने वाला स्वर्णिम अवसर रहा।

आरओबी निर्माण कार्य शुरू होने से पहले दुकान और मुआवजा दिलाने की मांग

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। राजचौपले पर फाटक से पहले आरओबी निर्माण कार्य शुरू होने से पहले दुकान और मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर व्यापारियों ने शनिवार को मोदीनगर तहसील पर प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में व्यापारी तहसील पहुंचे थे। एसडीएम के सामने अपनी बात रखी। 10 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन एसडीएम को दिया। एसडीएम ने हरसंभव मदद का भरोसा दिया है। सुबह करीब साढ़े 11 बजे व्यापारी तहसील में पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि 40 दुकानों की जमीन आरओबी निर्माण में ली जा रही है, लेकिन मुआवजा दुकान के मालिक को दिया जा रहा है। जबकि व्यापारी इन दुकानों में 1984 से व्यापार कर रहे हैं। तभी से दुकान का लगातार किराया दिया जा रहा है। अब यदि दुकान नहीं होगी तो परिवार के सामने आर्थिक तंगी हो जाएगी। ऐसे में आरओबी निर्माण कार्य शुरू होने से पहले व्यवसायिक स्थल उपलब्ध कराया जाए। दीघार्कालिक व्यापारियों को प्रभावित व्यापारियों की श्रेणी में रखा जाए। एसडीएम ने उनकी बात सुनी और उच्चाधिकारियों और संबंधित विभाग के अधिकारियों से वार्ता करने कर समाधान कराने का भरोसा दिया। इस मौके पर अरूण, अमित, विनीत समेत बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।

राखी बांधने जा रही मां की रास्ते में मौत, बेटे-पोते की हालत गंभीर

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। रक्षाबंधन पर भाई से राखी बंधवाने और मिलने की खुशी लेकर कुशलिया जा रही 72 वर्षीय महिला की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह अपने 36 वर्षीय बेटे और छह वर्षीय पोते के साथ बाइक पर सवार थीं। मसूरी थाना क्षेत्र में कल्लूगढ़ी रोड पर डीपीएसजी स्कूल के पास अज्ञात टेंपो ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल में उपचार के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया, जबकि बेटे और पोते की हालत गंभीर होने पर उन्हें दूसरे अस्पताल रेफर किया गया। पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार दोपहर करीब 2:39 बजे राहगीरों ने कल्लूगढ़ी रोड पर सड़क हादसे की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तो बाइक पर तीन लोग घायल अवस्था में मिले। उनकी पहचान सिकंदराबाद के मोहम्मदपुर कलां निवासी 36 वर्षीय सत्येंद्र, उनकी 72 वर्षीय मां वीरवती और छह वर्षीय बेटे लव के रूप में हुई। पुलिस ने तीनों को तत्काल सीएचसी डासना पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने वीरवती को मृत घोषित कर दिया। सत्येंद्र और लव की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें सर्वोदय अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, वीरवती का भाई कुशलिया में रहता है और रक्षाबंधन के अवसर पर वह अपने भाई से मिलने के लिए बेटे और पोते के साथ बाइक से निकली थीं। परिवार में त्योहार की खुशियां थीं, लेकिन रास्ते में हुए हादसे ने पलभर में खुशियों को मातम में बदल दिया। हादसे की खबर घर पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मसूरी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही अज्ञात टेंपो और उसके चालक की तलाश कर रही है। पुलिस का कहना है कि हादसे के संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है और आरोपी चालक की पहचान कर जल्द कार्रवाई की जाएगी।

मोदी कॉलेज में राष्ट्रीय खेल दिवस पर खेल संबंधी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

खेल हमें मिलकर काम करना और नियमों का पालन करना सिखाते हैं: अग्रवाल

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर में संयुक्त निदेशक माध्यमिक लखनऊ के निर्देशानुसार राष्ट्रीय खेल दिवस पर छात्रों के मध्य प्रार्थना स्थल पर खेल प्रशिक्षक राजीव सिंह एवं श्रीमती प्रीति शर्मा के नेतृत्व में स्वास्थ्य एवं फिटनेस संबंधी गतिविधियां आयोजित कराई गई।

विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि 28 अगस्त से 30 अगस्त तक हॉकी के महान जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्म दिवस को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाने के क्रम में छात्रों के मध्य फिटनेस संबंधी शारीरिक गतिविधियों के साथ-साथ साइकलिंग रन भी कराई गई छात्रों को फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत खेलेगा भारत जीतेगा भारत थीम पर फिटनेस संबंधी गतिविधियों से परिचय कराया गया।

छात्रों में खेल भावना ,अनुशासन की भावना एवं स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागरूक किया गया। प्रधानाचार्य ने बताया कि भारत सरकार ने वर्ष 2012 में पहली बार 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में घोषित किया।

यह दिन देश के महान खिलाड़ियों के योगदान को सम्मान देने और युवाओं को स्वस्थ जीवन शैली में खेल के प्रति जागरूक करने के लिए मनाया जाता है। मेजर ध्यानचंद जिन्हें हॉकी का जादूगर कहा जाता है उन्होंने भारत को 1928 ,1932, 1936 के ओलंपिक खेलों में लगातार तीन स्वर्ण पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। खेल हमें मिलकर काम करना और नियमों का पालन करना सिखाते हैं।

इस अवसर पर राजकुमार सिंह राजीव सिंह श्रीमती रेखा रानी रितेश कुमार अखिलेश मौर्या ज्योति चौधरी चरित्र कुमार आदि शिक्षकों प्रधानाचार्य छात्रों के साथ मेजर ध्यानचंद जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की इस अवसर पर विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी राजकुमार सिंह वे सभी शिक्षक व शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

नौकरी छूटी, आर्थिक तंगी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने फंदा लगाकर दी जान

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। वेव सिटी थाना क्षेत्र स्थित आदित्य वर्ल्ड सिटी में शनिवार देर रात एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद सोसायटी में हड़कंप मच गया। परिजन आनन-फानन में उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर आत्महत्या के पीछे के वास्तविक कारणों का पता लगाने में जुटी है। एसीपी प्रियाश्री पाल के अनुसार, मृतक की पहचान 36 वर्षीय विकास चौहान पुत्र चन्द्रभान के रूप में हुई है। विकास चौहान आदित्य वर्ल्ड सिटी स्थित एपाइंटमेंट टावर के सातवें तल पर फ्लैट नंबर 701 में परिवार के साथ रहते थे और नोएडा की एक कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे। कुछ समय पहले उनकी नौकरी छूट गई थी। इसके बाद वह लगातार दूसरी नौकरी की तलाश कर रहे थे, लेकिन सफलता नहीं मिल पा रही थी। बताया जा रहा है कि नौकरी जाने के बाद से वह आर्थिक तंगी को लेकर परेशान चल रहे थे। पुलिस के मुताबिक, शनिवार देर रात करीब एक बजे विकास ने अपने कमरे में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों को घटना की जानकारी होने के बाद उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम अस्पताल पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण भी किया, लेकिन कमरे से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ। विकास चौहान के परिवार में माता-पिता के अलावा पत्नी और छह वर्षीय बेटा है। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। अचानक हुई इस घटना से सोसायटी के लोग भी स्तब्ध हैं। एसीपी प्रियाश्री पाल ने बताया कि प्रथम दृष्टया नौकरी छूटने के बाद आर्थिक परेशानी की बात सामने आ रही है, हालांकि पुलिस आत्महत्या के कारणों की सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

लूट के मामले में मुठभेड़ के बाद दो बदमाश गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली

=वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत कृष्णाकुंज कालोनी में एक महिला से कुंडल लूटने के मामले में पुलिस ने शुक्रवार की रात एक मुठभेड़ के बाद दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में एक बदमाश पैर में लगने से घायल हो गया। घायल बदमाश का पुलिस अभिरक्षा में इलाज चल रहा है। आरोपियों के कब्जे से तमंचा, घटना में प्रयुक्त बाइक, कुंडल व कारतूस बरामद हुए हैं। कृष्णाकुंज कालोनी निवासी जगपाल सिंह की पत्नी शशि विगत 21 अगस्त को दोपहर के समय बच्चे को गली में टहला रही थी। इस बीच बाइक सवार दो बदमाश और कुंडल लूटकर ले गए।

रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने बदमाशों की तलाश शुरू की। एसीपी मोदीनगर भास्कर वर्मा ने बताया कि शुक्रवार रात सीकरी-कलछीना रोड पर पुलिस चेकिंग कर रही थी। इस बीच बाइक पर दो आरोपी आते दिखाई दिए। पुलिस ने चेकिंग के लिए उन्हें रूकने का इशारा किया, लेकिन आरोपियों ने पुलिस को देख बाइक दौड़ा दी। पुलिस पीछा किया, तो बाइक अनियंत्रित होने से आरोपी गिर पड़े। इस बीच एक आरोपी ने पुलिस पर तमंचे से फायरिंग शुरू कर दी।

गनीमत रही कि पुलिस को गोली नहीं लगी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायर किया। पैर में गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। पुलिस ने उससे पूछताछ की तो पता चला कि आरोपी मेरठ के लिसाड़ी गेट का फारुख उर्फ छोटू है। उसने अपने साथी लिसाड़ी गेट के ही मौ. हाशिम के साथ मिलकर शशि से कुंडल लूटे थे। पुलिस ने कुछ ही दूरी पर मौ. हाशिम को भी पड़क लिया। एसीपी मोदीनगर ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से लूट के कुंडल बरामद हुए। इन कुंडलों को आरोपी बेचने के मकसद से घूम रहे थे। आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी छह से अधिक लूट और चोरी के मुकदमे दर्ज हैं।

छाया पब्लिक स्कूल में कार्यशाला का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। छाया पब्लिक स्कूल गोविंदपुरी में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें खेलों में शक्ति वर्धक दवाओं का बढ़ता सेवन विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इसमें विषय विशेषज्ञ के रूप में नाड़ा के अधिकारी विकास कुमार ने खेलों और उनसे संबंधित प्रतिबंधित दवाइयों का सेवन करने पर कौन सी कार्रवाई होती है व क्या दुष्परिणाम है विषय पर बच्चों को जागरूक किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक अखिलेश द्विवेदी प्रधानाचार्य डॉक्टर तरुण त्यागी अर्चना शर्मा मोनिका आदि शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रही।

गाजियाबाद-द टेक हब से दिख रही शहर की नई तस्वीर, स्थापित हुई 20720 फीट की भव्य स्थापना

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। शहर की बदलती तस्वीर अब केवल सड़कों, इमारतों और आधुनिक सुविधाओं में ही नहीं, बल्कि शहर के प्रमुख स्थानों पर नजर आने वाली आकर्षक कलाकृतियों और स्थापनाओं में भी दिखाई देने लगी है। गाजियाबाद नगर निगम की ओर से शहर के आधुनिक स्वरूप, तकनीकी विकास और भविष्य की संभावनाओं को रचनात्मक अंदाज में प्रदर्शित करने के लिए तैयार की गई 'गाजियाबाद-द टेक हब' स्थापना इन दिनों लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश पर शहर के सौंदर्यीकरण को लेकर चल रहे कार्यों के तहत इसे तैयार किया गया है। करीब 20 फीट लंबी और 20 फीट चौड़ी यह भव्य स्थापना राजनगर एक्सटेंशन से एलिवेटेड रोड की ओर जाने वाले मार्ग पर पार्क में रोटरी गोलचक्कर पर स्थापित की गई है। नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार, 'गाजियाबाद-द टेक हब' केवल सौंदर्यीकरण का हिस्सा नहीं है, बल्कि इसके जरिए शहर की आधुनिक पहचान और विकास यात्रा को भी प्रदर्शित करने का प्रयास किया गया है। स्थापना को इस तरह तैयार किया गया है कि यह गाजियाबाद के तकनीकी विकास, डिजिटल बदलाव, नवाचार और आधुनिक बुनियादी सुविधाओं की दिशा में बढ़ते कदमों का संदेश दे। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि 'गाजियाबाद-द टेक हब' के माध्यम से शहर की बदलती तस्वीर को रचनात्मक और आकर्षक स्वरूप में सामने लाने का प्रयास किया गया है। गाजियाबाद तेजी से आधुनिक सुविधाओं और तकनीकी विकास की ओर बढ़ रहा है। ऐसे में शहर के प्रमुख स्थान पर स्थापित यह संरचना आने वाले समय के गाजियाबाद की परिकल्पना को दशार्ती है। यह स्थापना शहरवासियों के साथ गाजियाबाद आने वाले लोगों को भी शहर के नए स्वरूप से परिचित कराने का काम करेगी। खासकर युवाओं के बीच तकनीक, नवाचार और नई संभावनाओं को लेकर सकारात्मक सोच विकसित करने का संदेश देने की दिशा में इसे महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। 'गाजियाबाद-द टेक हब' की खूबसूरती को और बढ़ाने के लिए इसके चारों तरफ आकर्षक लाइटिंग लगाने का काम भी चल रहा है। प्रभारी उद्यान डॉ. अनुज ने बताया कि स्थापना पर लाइटिंग समेत अन्य कार्य प्रगति पर हैं। करीब एक माह के भीतर लाइटिंग और अन्य काम पूरे कर लिए जाएंगे। इसके बाद रात के समय भी यह स्थापना लोगों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनेगी। स्थापना के नीचे एक भव्य स्ट्रक्चर भी तैयार किया गया है। इसे लैंडस्कैपिंग के माध्यम से सुंदर और व्यवस्थित स्वरूप दिया जा रहा है। आसपास हरियाली और आकर्षक लैंडस्कैपिंग विकसित होने के बाद पूरे स्थान की खूबसूरती और बढ़ेगी। नगर निगम की कोशिश है कि प्रमुख मार्गों और चौराहों को केवल यातायात व्यवस्था के लिहाज से ही नहीं, बल्कि शहर की पहचान और सौंदर्यीकरण के लिहाज से भी विकसित किया जाए। गाजियाबाद नगर निगम की ओर से शहर को स्वच्छ, सुंदर, आधुनिक और स्मार्ट बनाने की दिशा में विभिन्न स्तरों पर कार्य किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में 'गाजियाबाद-द टेक हब' को आधुनिक गाजियाबाद की पहचान और भविष्य की ओर बढ़ते कदमों के प्रतीक के तौर पर देखा जा रहा है। नगर निगम का उद्देश्य शहर की मौजूदा पहचान को आधुनिक सुविधाओं, तकनीक और बेहतर सौंदर्यीकरण के साथ नई दिशा देना है। महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में नगर निगम की ओर से स्वच्छता के साथ-साथ शहर की सुंदरता पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रमुख मार्गों, पार्कों, रोटरी और सार्वजनिक स्थानों को आकर्षक बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। 'गाजियाबाद-द टेक हब' इसी अभियान का हिस्सा है। नगर निगम अधिकारियों का मानना है कि शहर की सुंदरता केवल साफ-सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि शहर की आधुनिक पहचान को सार्वजनिक स्थलों पर रचनात्मक तरीके से प्रदर्शित करना भी जरूरी है। ऐसे में यह स्थापना गाजियाबाद की विकास यात्रा, तकनीकी सोच और भविष्य की संभावनाओं को एक साथ सामने लाने का काम करेगी। लाइटिंग और लैंडस्कैपिंग का कार्य पूरा होने के बाद यह स्थान और अधिक आकर्षक नजर आएगा और आधुनिक गाजियाबाद की एक नई पहचान के रूप में लोगों के सामने आएगा।

पट्टे की जमीन पर खड़ी फसल पर ट्रैक्टर चलाकर नष्ट करने का आरोप

पीड़ित ने जनसुनवाई पोर्टल पर व एसडीएम को तहरीर देकर शिकायत दर्ज कराई

वेलकम इंडिया संवाददाता

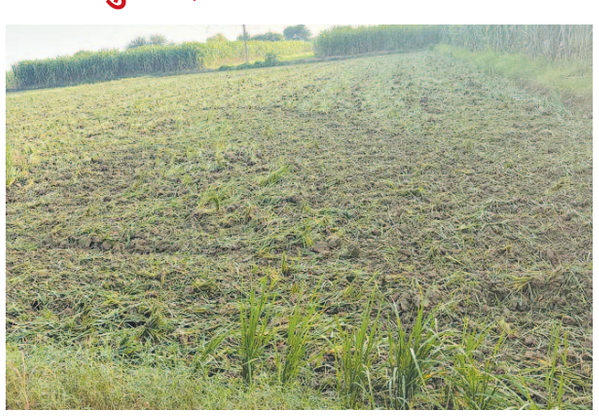

मोदीनगर। भोजपुर थाना क्षेत्र के गांव थोड़ी में दलित समाज के एक व्यक्ति ने पट्टे की जमीन तोड़ी 13 बिस्वा मे दलित समाज की भूमि पर लोगों द्वारा जबरन ट्रैक्टर चलाकर खेत में खड़ी फसल नष्ट करने का आरोप लगाया है। पीड़ित का कहना है कि जमीन को लेकर उसका विवाद पहले से ही न्यायालय में विचाराधीन है और इसके बावजूद आरोपियों ने खेत पर ट्रैक्टर चलाकर कब्जे का प्रयास किया।

पीड़ित के मुताबिक उसने अपनी जमीन पर मुंजी की फसल बो रखी थी। आरोप है कि 28 अगस्त को जब मोदीनगर तहसील बंद थी, उसी दौरान कुछ दबंग लोग ट्रैक्टर लेकर खेत में पहुंचे और खड़ी फसल को जोत दिया। इससे फसल नष्ट हो गई। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी अब जमीन पर जबरन कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं।

पीड़ित ने बताया कि करीब एक वर्ष पहले उसकी जमीन का एग्रीमेंट कराने के नाम पर कथित रूप से बैनामा करा लिया गया था। मामले की जानकारी होने के बाद उसने इसकी शिकायत मोदीनगर एसीपी और एसडीएम से की थी। इसके बाद जमीन को लेकर विवाद गाजियाबाद न्यायालय में पहुंच गया, जहां मामला अभी विचाराधीन है। पीड़ित का दावा है कि न्यायालय में मुकदमा चलने के बावजूद उसका जमीन पर कब्जा बना हुआ है।

पीड़ित के अनुसार, घटना के समय उसने पुलिस सहायता के लिए 112 नंबर पर भी कॉल की, लेकिन आरोप है कि मौके पर उसे अपेक्षित सहायता नहीं मिली। घटना के बाद पीड़ित ने शनिवार को मोदीनगर एसडीएम को तहरीर देकर शिकायत दर्ज कराई। साथ ही मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की है।

पीड़ित ने बताया कि गांव में दलित समाज के करीब 30 परिवार रहते हैं। उसका आरोप है कि जमीन को पहले एग्रीमेंट के नाम पर अपने नाम कराने का प्रयास किया गया और अब फसल नष्ट कर जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की जा रही है। पीड़ित ने प्रशासन और पुलिस अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कर जमीन पर कब्जे के प्रयास को रोकने तथा आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

डीएम ने परखी स्वाइन फ्लू की तैयारियां, ऑक्सीजन-दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित

एमएमजी अस्पताल में स्वाइन फ्लू की तैयारियों का जायजा, 10 बेड आरक्षित

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉंदड़ ने शनिवार को एमएमजी अस्पताल का निरीक्षण कर स्वाइन फ्लू की तैयारियों और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने फ्लू वार्ड का निरीक्षण करते हुए मरीजों के लिए आरक्षित 10 बेड, ऑक्सीजन, आवश्यक दवाइयों और अन्य चिकित्सीय संसाधनों की उपलब्धता देखी। अधिकारियों ने बताया कि सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त हैं।

जिलाधिकारी ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों में भर्ती मरीजों और तीमारदारों से बातचीत कर उपचार एवं सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कूलर, पंखे, बिजली समेत अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निमार्णाधीन नई बिल्डिंग का निरीक्षण कर उन्होंने कार्य की गुणवत्ता और प्रगति से संबंधित पूरा विवरण उपलब्ध कराने को कहा।

मीडिया से बातचीत में जिलाधिकारी ने बताया कि जिले में सामने आए स्वाइन फ्लू के मरीज स्वस्थ हैं और एमएमजी अस्पताल में फिलहाल कोई मरीज भर्ती नहीं है। उन्होंने सहायता के लिए 08826294546 हेल्पलाइन जारी की। नेपाल में मौजूद गाजियाबादवासियों से संपर्क न होने पर जिला प्रशासन को सूचना देने की भी अपील की।

मोदीनगर में पुलिस मुठभेड़: लूट के कुंडल बरामद, एक बदमाश के पैर में लगी गोली

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। रक्षाबंधन पर्व के मद्देनजर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद द्वारा चलाए जा रहे रात्रि चेकिंग अभियान के दौरान थाना मोदीनगर पुलिस की सीकरी-कल्छीना रोड पर संदिग्ध बाइक सवार बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। पुलिस के अनुसार, रोकने का प्रयास करने पर दोनों आरोपी बाइक मोड़कर भागने लगे, लेकिन बाइक डिसबैलेंस होने पर पैदल भागते हुए पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की, जिसमें एक आरोपी फारूख के पैर में गोली लगी। उसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।

पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आरोपियों की पहचान फारूख और आसिम, निवासी मेरठ, के रूप में हुई। फारूख पर छह से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। आरोपियों ने 21 अगस्त को मोदीनगर क्षेत्र में महिला से कान के कुंडल लूटने की बात स्वीकार की। उनके कब्जे से 315 बोर का तमंचा, जिंदा व खोखा कारतूस, दो पीली धातु के कुंडल और बाइक बरामद हुई है। पुलिस ने विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

CNG के दाम ने बढ़ाई आम आदमी की चिंता, गाज़ियाबाद में 95.59 किलो पहुंची कीमत

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाज़ियाबाद दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी के दाम बढ़ने से आम लोगों की जेब पर महंगाई का एक और बोझ पड़ा है। गाज़ियाबाद में सीएनजी की कीमत में 3 रुपये 89 पैसे प्रति किलो की बढ़ोतरी हुई है। इसके बाद अब सीएनजी 95 रुपये 59 पैसे प्रति किलो की दर से मिल रही है। सीएनजी भरवाने पहुंचे वाहन चालकों का कहना है कि लगातार बढ़ती कीमतों के चलते सीएनजी और पेट्रोल-डीजल के बीच कीमत का अंतर लगातार कम हो रहा है। ऐसे में सीएनजी वाहन चलाने का आर्थिक लाभ भी पहले की तुलना में घटता जा रहा है। लोगों का कहना है कि पहले से महंगाई की मार झेल रहे आम आदमी पर बढ़े सीएनजी दाम का सीधा असर पड़ेगा। वहीं, परिवहन और माल ढुलाई की लागत बढ़ने से रोजमर्रा की जरूरतों की वस्तुओं की कीमतों पर भी असर पड़ने की आशंका है। इसका प्रभाव सब्जियों, चीनी समेत अन्य घरेलू सामान के दामों पर पड़ सकता है।

घर में घुसकर मोबाइल चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, दो VIVO फोन बरामद

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना नन्दग्राम पुलिस ने चेकिंग के दौरान घर से मोबाइल फोन चोरी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी के दो VIVO कंपनी के मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, 29 अगस्त 2026 को नन्दग्राम पुलिस टीम क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी।

इसी दौरान मेरठ रोड से हिंडन विहार जाने वाले रास्ते पर करीब 30 मीटर की दूरी से संदिग्ध युवक को पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपी की पहचान आकाश उर्फ अक्की पुत्र नामू सिंह, निवासी ई-ब्लॉक नन्दग्राम, उम्र करीब 20 वर्ष के रूप में हुई। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से दो VIVO मोबाइल फोन बरामद हुए।

इनमें से एक नीले रंग का मोबाइल थाना नन्दग्राम में दर्ज मु0अ0सं0-505/2026, धारा 305(ए) बीएनएस से संबंधित है। दूसरा मोबाइल डार्क नीले रंग का है। पुलिस आरोपी के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

साहिबाबाद की टॉय फैक्ट्री में भीषण आग, दमकल की 10 गाड़ियों ने संभाला मोर्चा

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। साहिबाबाद के साइट-4 इंडस्ट्रियल एरिया स्थित पांडा बेबी प्रोडक्ट्स की टॉय फैक्ट्री में शनिवार शाम अचानक भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। फैक्ट्री से धुआं और आग की ऊंची लपटें उठती देख आसपास के लोगों ने तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की करीब 10 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया।

दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने का प्रयास किया। आग की भयावहता को देखते हुए आसपास के क्षेत्र में भी सतर्कता बरती गई।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। हालांकि, आग के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

राहत की बात यह रही कि हादसे में फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दमकल विभाग की टीम ने स्थिति को नियंत्रित करने के साथ आग से हुए नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है।

तेज रफ्तार कार ने चार भाई-बहनों को कुचला, दो भाइयों की मौत

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। रक्षाबंधन पर बहनों को बस में बैठाने आए दो भाइयों की शनिवार सुबह तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसा गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड पर मांगर चुंगी के पास डेरा कट मोड़ पर हुआ। दुर्घटना में दोनों बहनें भी गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद आरोपी चालक कार लेकर मौके से फरार हो गया। मृतकों की पहचान दिल्ली के छोटा बांस निवासी अखिलेश मौर्य (32) और अवधेश मौर्य (24) के रूप में हुई है। दोनों मूल रूप से अमेठी के खरकपुर के रहने वाले थे। घायल बहनों सरोज और राजकुमारी का अस्पताल में उपचार चल रहा है। सरोज की हालत गंभीर बताई जा रही है और उसे निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, अखिलेश अपने छोटे भाई अवधेश और दोनों बहनों को बस में बैठाने के लिए शनिवार सुबह डेरा कट मोड़ पहुंचा था। चारों को पलवल जाना था। रक्षाबंधन पर अवधेश अपनी बहनों को पलवल से दिल्ली लेकर आया था। शुक्रवार को सभी दिल्ली पहुंचे थे और शनिवार सुबह वापस पलवल जाने के लिए बस का इंतजार कर रहे थे। बताया गया कि अखिलेश अपनी बाइक से दो चक्कर लगाकर तीनों को डेरा कट मोड़ तक लेकर आया था। इसी दौरान तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर चारों को टक्कर मारते हुए निकल गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि चारों भाई-बहन उछलकर दूर जा गिरे। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। मांगर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को बीके अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने अखिलेश और अवधेश को मृत घोषित कर दिया। गंभीर हालत में दोनों बहनों को आगे उपचार के लिए रेफर किया गया। अखिलेश दिल्ली में माली का काम करता था और अपनी ससुराल में रहता था। वह शादीशुदा था। उसके परिवार में छह साल की बेटी और नौ महीने का बेटा है। उसकी मौत से पत्नी और दोनों बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया। वहीं अवधेश पलवल के कुलेना में माली का काम करता था। परिवार में उसके माता-पिता और छोटा भाई हैं। छोटा भाई गांव में रहकर पढ़ाई करता है। पुलिस ने घटनास्थल से कार की नंबर प्लेट और टोयोटा का लोगो बरामद किया है। नंबर प्लेट के आधार पर वाहन मालिक की जानकारी जुटाई जा रही है। डेरा कट मोड़ और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। मांगर थाना पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

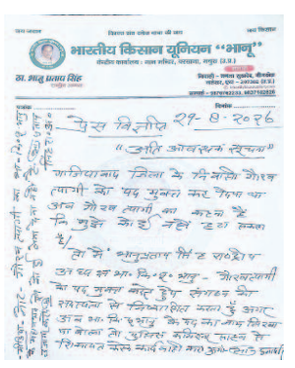

भाकियू भानु में घमासान: गौरव त्यागी पदमुक्त, बोले- मुझे कोई नहीं हटा सकता

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। भारतीय किसान यूनियन (भानु) में संगठनात्मक स्तर पर विवाद गहराता जा रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर भानुप्रताप सिंह ने प्रदेश महासचिव गौरव त्यागी को पद से मुक्त किए जाने का प्रेस नोट जारी किया है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि पदमुक्त किए जाने के बाद यदि गौरव त्यागी संगठन के नाम, पद या अधिकार का इस्तेमाल करते हैं तो उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में पुलिस कमिश्नर से शिकायत कर कार्रवाई की मांग करने की बात भी कही गई है।

वहीं, गौरव त्यागी ने पदमुक्त किए जाने के फैसले को मानने से इनकार किया है। उनका कहना है कि ह्मुझे कोई नहीं हटा सकता ह्व इस बयान के बाद संगठन में पद और अधिकार को लेकर विवाद और तेज हो गया है। दोनों पक्षों के दावों के बीच भाकियू भानु के संगठनात्मक अनुशासन और नेतृत्व को लेकर चचाएं शुरू हो गई हैं।

खाकी के 'पुराने सिपाहियों' को मिला सम्मान, पुलिस लाइन्स में खुला पेंशनर्स कक्ष

कपिल चौहान

गौतमबुद्धनगर (वेलकम इंडिया)। सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान और उनके अनुभवों को पुलिस संगठन के हित में उपयोग करने की दिशा में गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट ने नई पहल की है। शनिवार को पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह ने पुलिस लाइन्स में नवस्थापित पेंशनर्स कक्ष का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पुलिस कमिश्नर ने कहा कि सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी पुलिस संगठन की अमूल्य धरोहर हैं। उनके लंबे सेवाकाल का अनुभव और सुझाव वर्तमान पुलिस व्यवस्था को और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। पेंशनर्स कक्ष में सेवानिवृत्त कार्मिकों की समस्याएं सुनकर उनका समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने इस पहल की सराहना करते हुए पुलिस कमिश्नरेट का आभार जताया। कार्यक्रम में अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय अजय कुमार, डीसीपी मुख्यालय श्रीमती शैव्या गोयल, एसीपी लाइन्स शकील मोहम्मद सहित सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

चेकिंग में पकड़े गए दो वाहन चोर, बाल अपचारी भी हिरासत में—चोरी की बाइक बरामद

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना टीलामोड़ पुलिस ने वाहन चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चेकिंग के दौरान दो वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक बाल अपचारी को अभिरक्षा में लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की एक मोटरसाइकिल बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, 28 अगस्त 2026 को थाना टीलामोड़ पुलिस टीम कोयल एन्क्लेव बिजली घर चौराहे पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान संदिग्ध गतिविधि के आधार पर शेखर पुत्र गोपाल निवासी गगन विहार, भौपुरा और राहुल उर्फ लुक्का पुत्र प्रवीन निवासी गगन विहार, भौपुरा को गिरफ्तार किया गया। इनके साथ एक बाल अपचारी को भी अभिरक्षा में लिया गया। जांच में बरामद मोटरसाइकिल के संबंध में थाना शालीमार गार्डन में चोरी का मुकदमा दर्ज होना सामने आया। बरामदगी के आधार पर टीलामोड़ थाने में बीएनएस की धारा 317(2)/317(5) के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।